राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार, 5 दिसंबर-2021 वर्ष-4,अंक-312 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

पीएम मोदी ने कहा,ये परियोजनाएं इस दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने में अहम भूमिका निभाएंगी

देहरादून (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को देहरादून में कई परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारा भी शामिल है।इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते 5 वर्षों में केंद्र सरकार ने उत्तराखंड के लिए 1 लाख करोड़ रूपये से ज्यादा लागत से की परियोजनाएं स्वीकृत की।राज्य सरकार इन्हें तेजी से जमीन पर उतार रही है।इससे आगे बढ़कर शनिवार को 18000 करोड़ रूपये से ज्यादा की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास हो रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पूरी देश की आस्था ही नहीं, बल्कि कर्म और कठोरता की भी भूमि है।इसकारण क्षेत्र का विकास, क्षेत्र को भव्य स्वरूप देना, डबल इंजन की सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ये परियोजनाएं इस दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने में एक अहम भूमिका निभाएंगी। जो लोग पूछते हैं कि डबल इंजन की सरकार का फायदा क्या है वे लोग आज देख सकते हैं कि डबल इंजन की सरकार उत्तराखंड में कैसे विकास की गंगा बहा रही है। मोदी ने कहा कि बीते वर्षों की कड़ी मेहनत के बाद, अनेक जरूरी प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद आखिरकार आज ये दिन आया है। मैंने केदारपुरी की पवित्र धरती से कहा था और आज देहरादून से दोहरा रहा हूं, ये परियोजनाएं इस दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने में अहम भूमिका निभाएंगी। इस शताब्दी की शुरुआत में, अटल जी ने भारत में कनेक्टिविटी बढ़ाने का अभियान शुरू किया था। लेकिन उनके

बाद 10 साल देश में ऐसी सरकार रही, जिसने देश का, उत्तराखंड का, बहुमूल्य समय व्यर्थ कर दिया।10 साल तक देश में इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर घोटाले हुए, घपले हुए। इससे देश का जो नुकसान हुआ उसकी भरपाई के लिए हमारी सरकार दोगुनी गति से मेहनत की और आज भी कर रहे हैं। आज भारत, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर 100 लाख करोड़ रूपए से अधिक के निवेश के इरादे से आगे बढ़ रहा है। आज भारत की नीति, गतिशक्ति की है, दोगुनी-तीन गुनी तेजी से काम करने की है।

मोदी ने कहा कि पहले की सरकार ने उत्तराखंड में नेशनल हाईवे पर 7 साल में 600 करोड़ के आस पास खर्च किया। हमारी सरकार ने 7 साल में नेशनल हाईवे पर 12,000 करोड़ रूपये से अधिक खर्च कर चुकी है। साल 2007 से 2014 के बीच जो केंद्र की सरकार थी, उसने सात साल में उत्तराखंड में केवल 288 किलोमीटर नेशनल हाईवे बनाए। जबकि हमारी सरकार ने अपने सात साल में उत्तराखंड में 2 हजार किलोमीटर से अधिक लंबाई के नेशनल हाईवे का निर्माण किया है। हमारे पहाड़, हमारी संस्कृति, आस्था के गढ़ हैं ही, ये हमारे देश की सुरक्षा के भी किले हैं। पहाड़ों में रहने वालों का जीवन सुगम बनाना देश की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। आज मुझे बहुत खुशी है कि दिल्ली-देहरादून इकॉनॉमिक कॉरिडोर का शिलान्यास हो चुका है। जब ये बनकर तैयार हो जाएगा,तब दिल्ली से देहरादून आने-जाने में जो समय लगता है, वहां करीब-करीब आधा हो जाएगा।

उत्तराखंड में पीएम मोदी,दिल्ली-दून आर्थिक गलियारे को ग्रीन सिग्नल

हरिद्वार (एजेंसी)। उत्तराखंड में आगामी विधानसभा चुनाव-2022 से पहले देहरादून पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड में भाजपा के लिए शनिवार को चुनावी रण का शंखनाद कर दिया। उन्होंने दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारा (ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे जंक्शन से देहरादून तक), चाइल्ड फ्रेंडली सिटी प्रोजेक्ट देहरादून का शिलान्यास किया। दून में अत्याधुनिक इत्र और सुगंध प्रयोगशाला (सुगंधित पौधों के लिए केंद्र) का भी उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने उत्तराखंड को कुल 18,000 हजार करोड़ रूपये की सौगात दी। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे की कुल लंबाई 175 किमी होगी। करीब 8600 करोड़ रूपये की लागत से हाईवे बनाया जाएगा। आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा एवं निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए हाईवे बनाया जा रहा है। दिल्ली-देहरादून के बीच सड़क से यात्रा का समय आठ घंटे से घटकर करीब ढाई घंटे का सफर हो जाएगा। वन्यजीवों के अवरोध रहि आवागमन के लिए यह एशिया का सबसे बड़ा 12 किमी वन्यजीव एलिवेटेड कॉरिडोर होगा। 500 मीटर के अंतराल पर 750 वे अधिक वर्षा जल संचयन तथा वाटर रिचार्ज प्वाइंट होंगे। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे से हरिद्वार की दूरी महज 51 किमी हो जाएगी, जो करीब 2082 होगी। इस रूट से दिल्ली के लिए हरिद्वार से कनेक्टिविटि आसान हो जाएगी, जिससे सफर का समय घटेगा। इसमें छह इंटरचेंज, चार फ्लाईओवर, छह प्रमुख पुल, 10 माइनर एवं दो आरओबी तथा 10 वीयूपी होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड पर खास फोकस रहा। पिछले तीन माह के भीतर उनका यह उत्तराखंड का तीसरा दौरा होगा। मोदी शनिवार 04 दिसंबर को उत्तराखंड को कई सौगात दी। केदारनाथ पुनर्निर्माण और चारधाम को जोड़ने वाली ऑल वेदर रोड उनके ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल हैं। राजनीतिक पारी की शुरूआत से पहले मोदी का देवभूमि को लेकर अटूट रिश्ता रहा है। अस्सी के दशक में वे गरूड़चट्टी (केदारनाथ) में एक गुफा में तप भी कर चुके हैं। वर्ष 2013 में जब केदारनाथ में आपदा आई थी तो तब वे गुजरात के सीएम थे और रेस्क्यू आपरेशन में हाथ बढ़ाया। प्रधानमंत्री बनने के बाद उनका उत्तराखंड से लगाव और बढ़ा और राज्य के विकास को कई योजनाएं समर्पित कर चुके हैं। अब मोदी की शनिवार को रैली से भी जनता को कई उम्मीदें थीं, जिन्हें उन्होंने पूरा किया। वे राज्य के विकास की नींव को और आगे बढ़ाने के लिए कई ऐलान भी किया। इसके साथ ही वे दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारा (ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे जंक्शन से देहरादून तक), चाइल्ड फ्रेंडली सिटी प्रोजेक्ट देहरादून का शिलान्यास करेंगे। दून में अत्याधुनिक इत्र और सुगंध प्रयोगशाला (सुगंधित पौधों के लिए केंद्र) का भी उद्घाटन करेंगे। वन्यजीवों की क्रॉसिंग के लिए अंडर पास बनेंगे- आशारोड़ी से गणेशपुर तक तक वन्य जीव बाहुल क्षेत्र है। डाटकाली से गणेशपुर तक एक्सप्रेस-वे एलिवेटड है, इसलिए जंगली जानवरों को क्रासिंग में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। आशारोड़ी से डाटकाली तक 200 मीटर के दो अंडर पास, 15 से 20 मीटर के छह पुल भी बनेंगी, ताकि जंगली जानवर आसानी से आसानी से आर-पार कर सके।

दिनदहाड़े चिकित्सक दम्पत्ति को बंधक बनाकर लाखों की लूट

चिकित्सक के आंखे में मिर्च डालकर बनाया दम्पत्ति को बधंक

बदमाश मरीज बनकर पहुंचे थे दवा लेने,घटना मचा हड़कम्प

हरिद्वार, आयुर्वेद चिकित्सक के पास दवा लेने पहुंचे दो युवकों ने चिकित्सक व उनकी पत्नी को बंधक बनाकर ढाई लाख की नगदी व सोने के गहने लूट कर फरार हो गये। घटना की जानकारी लगते ही क्षेत्र और पुलिस महकमे में हड़कम्प मच गया। सूचना पर एसपी सिटी, सीओ सिटी समेत कोतवाली ज्वालापुर पुलिस मौके पर पहुंची। पीडित वृद्ध दम्पति से घटना की जानकारी लेने के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालते हुए बदमाशों की शिनाख्त के प्रयास करते हुए तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्रन्तर्गत न्यू रामनगर ज्वालापुर निवासी आयुर्वेद चिकित्सक राजेंन्द्र अग्रवाल (70)जोकि घर पर ही आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज करते है। बताया जा रहा हैं कि शनिवार की दोपहर को उनके पास मरीज बनकर दो युवक उनके पास दवा लेने के लिए पहुंचे। जिनमें एक युवक ने पेट में दर्द की शिकायत करते हुए उपचार के लिए कहा। युवकों ने चिकित्सक से दवा लेने के

बाद उनको बातों में उलझा लिया और युवकों ने पानी पीने के लिए मांगा। बताया जा रहा हैं कि इसी दौरान चिकित्सक की पत्नी भीतर पानी लेने गयी। इसी दौरान मौका पाकर युवकों ने चिकित्सक की आंखों में लाल मिर्च का पाउडर डालकर उनको बंधक बना लिया। चिकित्यक के चिखने पर उनकी आवाज सुनकर पत्नी बाहर आयी तो युवकों ने उनको भी बंधक बना लिया। बताया जा रहा हैं कि वृद्ध दम्पति को चुप रहने के लिए डरा धमका कर घर में रखे करीब ढाई लाख की नगदी व सोने के जेवरात लूट कर फरार हो गए। बदमाशों के जाने के बाद चिकित्सक ने किसी तरह अपने व पत्नी के बंधन खोलकर घटना की जानकारी आसपास के लोगों को दी। दिनदहाडे घर में वृद्ध दम्पति को बंधक बनाकर लाखों की लूट की सूचना पर क्षेत्र में हड़कम्प मच गया। लोगों ने घटना की जानकारी कोतवाली ज्वालापुर पुलिस को दी। दिनदहाडे बधंक बनाकर लूट की घटना ने पुलिस महकमे में भी हड़कम्प मचा दिया। सूचना पर एसपी सिटी कमलेश उपाध्याय, सीओ सिटी अभय प्रताप सिंह, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक चन्द्र चन्द्राकर नैथानी सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा। एसपी सिटी व सीओ सिटी ने पीडित दम्पति से घटना और बदमाशों के हुलिये के बारे में जानकारी ली। एसपी सिटी ने अधिनस्थों को तत्काल बदमाशों को पकड़ने के निर्देश दिये। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालते हुए बदमाशों की शिनाख्त के प्रयास करते हुए तलाश शुरू कर दी। पुलिस बदमाशों के चिकित्सक के यहां पर पहुंचने की भी जानकारी जुटा रही हैं कि बदमाश पैदल ही वहां पहुंचे या फिर किसी वाहन से। पुलिस दिनदहाडे हुई लूट के खुलासे में जुट गयी है। कोतवाली ज्वालापुर प्रभारी निरीक्षक चन्द्र चन्द्राकर नैथानी ने बताया कि दिनदहाडे वृद्ध दम्पति को दो युवकों ने बंधक बनाकर लूट को अंजाम दिया है। पीडित राजेन्द्र अग्रवाल आयुर्वेद चिकित्सक हैं, बदमाश मरीज बनकर उनके पास पहुंचे थे। पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-987914180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार साहित्य का कर्तव्य केवल ज्ञान देना नहीं है परंतु एक नया वातावरण देना भी है। - डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

संपादकीय

भागना उपाय नहीं

जैसे-जैसे ओमीक्रोन का खतरा बढ़ रहा है, वैसे-वैसे चिकित्सा जांच और इलाज से भागने वालों की संख्या भी बढ़ रही है। हवाई अड्डों पर जहां-जहां कड़ाई बढ़ी है, वहां लोग सहयोग के बजाय परेशानी का इजहार करने लगे हैं। इसमें कोई शक नहीं कि विदेश से आने वाले लोगों की निगरानी बढ़ाकर ही हम ओमीक्रोन के खतरे पर काबू पा सकते हैं। यह खबर बहुत ही चिंताजनक है कि कर्नाटक के बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीकी देशों से आए 10 विदेशी नागरिक लापता बताए जा रहे हैं। बेंगलुरु महानगरपालिका और वहां के स्वास्थ्य अधिकारियों का उनसे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। दरअसल, बेंगलुरु में ही ओमीक्रोन का भारत में पहला मामला मिला है। दक्षिण अफ्रीका से ही ओमीक्रोन की भारत में घुसपैठ हुई है। ऐसे में, विदेशी नागरिकों का गायब होना किसी अपराध से कम नहीं है। जो लोग बीमारी छिपाकर या किसी प्रकार की जांच से बचकर भाग रहे हैं, वे इस समाज और देश के दुश्मन हैं। उन्हें अगर कड़ा दंड दिया जाए, तो गलत नहीं होगा। यही नहीं, जो लोग किसी भी प्रकार की जांच से मुंह चुराकर अपने घर-परिवार में लौट जा रहे हैं, वे अपने परिजनों के भी शुभचिंतक नहीं हैं। पुलिस भले ही संदिग्धों तक पहुंच जाए, लेकिन सच यही है कि दक्षिण अफ्रीका से आए विदेशी तो फोन भी नहीं उठा रहे थे। मतलब, उन्हें अपनी या अपने लोगों की जान की कोई चिंता नहीं थी। ध्यान रहे, दूसरी लहर के पहले भी बड़े पैमाने पर लोग जांच और इलाज से भाग रहे थे। शायद ही कोई ऐसा राज्य था, जहां लोग अपने और दूसरों के स्वास्थ्य को लेकर गंभीर थे। पिछले साल अप्रैल में लापरवाही समझ से परे हो गई थी। जांच से बचने के लिए 385 यात्री सिलचर हवाई अड्डे से भाग खड़े हुए थे। तब अधिकारियों ने कहा था कि उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू की जाएगी, लेकिन लोगों को कोई कार्रवाई नजर नहीं आई। भागने वालों के खिलाफ कश्मीर से लेकर केरल तक कोई आदर्श कार्रवाई नहीं हुई। नतीजा सामने है, ओमीक्रोन की वजह से जब जांच तेज हुई है, तो लोग फिर भागने-बचने में लग गए हैं। काश! लोग जांच से भागे नहीं होते, इलाज बीच में छोड़ नहीं जाते, तो बहुत संभव है, दूसरी लहर का कहर कुछ कम होता। आशंकाओं का बाजार गरम है, क्या ओमीक्रोन की वजह से तीसरी लहर आने वाली है? क्या फिर लॉकडाउन लगने वाला है? क्या भव्य उत्सवों-आयोजनों पर फिर गाज गिरने वाली है? क्या यात्राओं पर फिर लगाम कसने वाली है? लोगों को पूरी सावधानी से जांच में सहयोगी बनना चाहिए। कोरोना दिशा-निर्देशों की पालना करना और इलाज कराना आज देश सेवा से कम नहीं है। मामले बढ़ने के बाद हम कड़ाई बरतेंगे, तो कोई फायदा नहीं। खतरा बढ़ने से पहले ही सरकार को अपने इंतजाम पूरे रखने चाहिए, ताकि विदेश से आने वाले लोगों की सही जांच हो, उन्हें क्वारंटीन किया जाए। यदि जांच या क्वारंटीन करना मुमकिन नहीं है, तो फिर विदेश से आने वाली उड़ानों को रोकने से बेहतर कोई उपाय नहीं है। कम से कम उन देशों से आने वाली उड़ानों को रोक देना चाहिए, जहां ओमीक्रोन घुसपैठ कर चुका है। घुसपैठ तो हमारे यहां भी हो गई है, लेकिन क्या हम पूरी तरह से सचेत हैं? क्या हम अपना और अपनों का बचाव करने लगे हैं?

अमेरिका में किताबों से फूटती हिंसा

- प्रमोद भार्गव

यह सच्चाई कल्पना से परे लगती है कि विद्या के मंदिर में पढ़ाई जा रही किताबें हिंसा की रक्त रंजित इबारत लिखेंगी। लेकिन हैरत में डालने वाली बात है कि यह एक हकीकत बन चुकी है। शैक्षिक गुणवत्ता की दृष्टि से महत्वपूर्ण माने जाने वाले देश अमेरिका के मिशिगन में दसवीं कक्षा के 14 वर्षीय नाबालिग छात्र ने तीन छात्रों की स्कूल परिसर में गोली मारकर हत्या कर दी। छात्र के शिक्षक और सात अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हैं। आरोपी छात्र ने अपने पिता की सेटमी स्वचालित बंदूक से करीब 20 गोलियां दागी थीं। अचरज में डालने वाली बात है कि कोरोना के भयावह संकटकाल में अमेरिका में बंदूकों की मांग सात गुना बढ़ी है। इनमें से 62 प्रतिशत बंदूकें गैर श्वेतों के पास हैं। इस बीच महिलाओं में भी बंदूकें खरीदने की दिलचस्पी बढ़ी है। महिलाएं पिंक पिस्टल खरीद रही हैं। बंदूकों की इस बढ़ी बिक्री का ही परिणाम है कि 2021 में ही फायरिंग की 650 घटनाएं घट चुकी हैं और दस छात्रों की मौत इस एक साल में हो चुकी है। साफ है, आधुनिक और उच्च शिक्षित माने जाने वाले इस देश में हिंसा की इबारत लिखने का खुला कारोबार चल रहा है। जाहिर है, यहां के शिक्षा संस्थानों में किताबों से संस्कार ग्रहण करने वाली शिक्षा हिंसा की इबारत कैसे लिखी जाए, यह पाठ पढ़ा रही है। विद्यालयों में छात्र हिंसा से जुड़ी ऐसी घटनाएं पहले अमेरिका जैसे विकसित देशों में ही देखने में आती थी, लेकिन अब भारत जैसे विकासशील देशों में भी क्रूरता का यह सिलसिला चल निकला है। हालांकि भारत का समाज अमेरिकी समाज की तरह आधुनिक नहीं है जहां पिस्तौल अथवा चाकू जैसे हथियार रखने की छूट छात्रों को हो। अमेरिका में तो ऐसी विकृत संस्कृति पनप चुकी है, जहां अकेलेपन के शिकार एवं मां-बाप के लाड़-प्यार से उपेक्षित बच्चे घर, मोहल्ले और संस्थाओं में जब-तब पिस्तौल चला दिया करते हैं। आज अभिभावकों की अतिरिक्त व्यस्तता और एकांगिकता जहां बच्चों के मनोवेगों की पड़ताल करने के लिए दोषी है, वहीं विद्यालय नैतिक और संवेदनशील मूल्य बच्चों में रोपने में सर्वथा चूक रहे हैं। छात्रों पर विज्ञान, गणित और वाणिज्य विषयों की शिक्षा का बेवजह दबाव भी बर्बर मानसिकता विकसित करने के लिए दोषी हैं। आज साहित्य, समाजशास्त्र व मनोविज्ञान की पढ़ाई पाठ्यक्रमों में कम से कमतर होती जा रही है, जबकि साहित्य और समाजशास्त्र ऐसे विषय हैं जो समाज से जुड़े सभी विषयों और पहलुओं का वास्तविक यथार्थ प्रकट कर बाल-मनों में संवेदनशीलता का स्वाभाविक सृजन करने के साथ सामाजिक विषंगतियों से परिचित कराते हैं। इससे हृदय की जटिलता टूटती है और सामाजिक विषंगतियों को दूर करने के कोमल भाव भी बाल मन में अंकुरित होते हैं। महान और अपने-अपने क्षेत्रों में सफल व्यक्तियों की जीवन-गाथाएं (जीवनियां) भी व्यक्ति में संघर्ष के लिए जीवटता प्रदान करती हैं। लेकिन दुर्भाग्य से हमारे यहां ऐसा कोई पाठ्यक्रम पाठशालाओं में नहीं है, जिसमें कामयाब व्यक्ति की जीवनी पढ़ाई जाती हो। जीवन-गाथाओं में जटिल परिस्थितियों से जूझने एवं उलझनों से मुक्त होने के सरल, कारगर और मनोवैज्ञानिक उपाय भी होते हैं। भूमण्डलीयकरण के आर्थिक उदारवादी दौर में हम बच्चों को क्यों नहीं पढ़ाते कि संचार तकनीक और ईंधन रसायनों का जाल बिछाए जाने की बुनियाद रखने वाले धीरूभाई अंबानी एक कम पढ़े-लिखे एवं साधारण व्यक्ति थे। वे पेट्रोल पंप पर वाहनों में पेट्रोल डालने का मामूली काम करते थे। इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति ने अपने व्यवसाय की शुरुआत मात्र दस हजार रुपए की छोटी-सी रकम से की थी और आज अपनी व्यावसायिक दक्षता के चलते अरबों का कारोबार कर रहे हैं। दुनिया में कंप्यूटर के सबसे बड़े उद्योगपति बिल गेट्स पढ़ने में औसत दर्जे के छात्र थे। इसी तरह इंडियन एक्सप्रेस और जनसत्ता के संपादक रहे प्रभाष जोशी मात्र 10 वीं तक पढ़े थे। अन्ना हजारे और बाबा रामदेव भी कम पढ़े लिखे हैं। कामयाब लोगों के शुरुआती संघर्ष को पाठ्यक्रमों में स्थान दिया जाए तो पढ़ाई में औसत हैसियत रखने वाले या कमजोर छात्र भी हीनता-बोध की उन ग्रंथियों से मुक्त रहेंगे जो अवचेतन में क्षोभ, अवसाद और संवेदनहीनता के बीज अनजाने में ही बो देती है और छात्र तनाव व अवसाद के दौर में विवेक खोकर हत्या, आत्महत्या अथवा बलात्कार जैसे गंभीर आपराधिक कारनामे कर डालते हैं। वैसे भी सफल एवं भिन्न पहचान बनाने के लिए व्यक्तित्व में दृढ़, इच्छाशक्ति और कठोर परिश्रम की जरूरत होती है, जिसका पाठ केवल कामयाब लोगों की जीवनियों से ही सीखा जा सकता है। शिक्षा को व्यवसाय का दर्जा देकर निजी क्षेत्र के हवाले छोड़कर हमने बड़ी भूल की है। ये प्रयास शिक्षा में समानता के लिहाज से बेमानी हैं। क्योंकि ऐसे ही विरोधाभासी व एकांगी प्रयासों से समाज में आर्थिक विषमता बढ़ी है। यदि ऐसे प्रयासों को और बढ़ावा दिया गया तो विषमता की यह खाई और बढ़ेगी। जबकि इस खाई को पाटने की जरूरत है। यदि ऐसा नहीं किया गया तो शिक्षा केवल धन से हासिल करने का हथियार रह जाएगी। जिसके परिणाम कालांतर में और भी घातक व विस्फोटक होंगे। समाज में सवर्ण, पिछड़े, आदिवासी व दलितों के बीच आर्थिक व सामाजिक मतभेद बढ़ेंगे जो वर्ग संघर्ष के हालातों को आक्रामक व हिंसक बनाएंगे। यदि शिक्षा के समान अवसर बिना किसी जातीय, वर्गीय व आर्थिक भेद के सर्वसुलभ होते हैं तो छात्रों में नैतिक मूल्यों के प्रति चेतना, संवेदनशीलता और पारस्परिक सहयोग व समर्पण वाले सहअस्तित्व का बोध पनपेगा, जो सामाजिक न्याय और सामाजिक संरचना को स्थिर बनाए रखने का कारक बनेगा। वैसे मनोवैज्ञानिकों की मानें तो आमतौर से बच्चे आक्रामकता और हिंसा से दूर रहने की कोशिश करते हैं। लेकिन घरों में छोटे पर्दे और मुट्ठी में बंद मोबाइल पर परोसी जा रही हिंसा और सनसनी फैलाने वाले कार्यक्रम इतने असरकारी साबित हो रहे हैं कि हिंसा का उत्तेजक वातावरण घर-आंगन में विकृत रूप लेने लगा है, जो बाल मन में संवेदनहीनता का बीजारोपण कर रहा है। मासूम और बौने से लगने वाले कार्टून चरित्र भी पर्दे पर बंदूक थामे दिखाई देते हैं, जो बच्चों में आक्रोश पैदा करने का काम करते हैं। कुछ समय पहले दो किशोर मित्रों ने अपने तीसरे मित्र की हत्या केवल इसलिए कर दी थी कि वह उन्हें वीडियो गेम खेलने के लिए तीन सौ रुपए नहीं दे रहा था। लिहाजा छोटे पर्दे पर लगातार दिखाई जा रही हिंसक वारदातों के महिमा मंडन पर अंकुश लगाया जाना जरूरी है। यदि बच्चों के खिलौनों का समाजशास्त्र एवं मनोवैज्ञानिक ढंग से अध्ययन एवं विश्लेषण किया जाए तो हम पाएंगे कि हथियार और हिंसा का बचपन में अनाधिकृत प्रवेश हो चुका है। सबसे ज्यादा नकारात्मक बात यह है कि हमने न तो पारंपरिक ज्ञान-विज्ञान को उपयोगी माना और न ही शिक्षा के सिलसिले में महात्मा गांधी व गिजुभाई बधेका जैसे शिक्षा शास्त्रियों के मूल्यों को तरजीह दी। शिक्षा आयोगों की नसीहतों को भी आज तक अमल में नहीं लाया गया। अभी भी यदि हम वैश्विक संस्कृति और अंग्रेजी शिक्षा के मोह से उन्मुक्त नहीं होते तो शिक्षा परिसरों में हिंसा, हत्या, आत्महत्या और बलात्कार जैसी घटनाओं में और इजाफा होगा। इनसे निजात पाना है तो जरूरी है कि तनावपूर्ण स्थितियों में सामंजस्य बिठाने, महत्वाकांक्षा को तुष्ट करने और चुनौतियों से सामना करने के कौशल को शैक्षिक पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए और गांधी व गिजुभाई के सिद्धांतों को शिक्षा का मानक माना जाए। गुरुजन भी अकादमिक उपलब्धियों के साथ बाल मनोविज्ञान का पाठ पढ़ें। इसे भक्त कवि सूरदास की कृष्ण की बाल लीलाओं से भी सीखा जा सकता है। जिससे शिक्षक बालकों के चेहरे पर उभरने वाले भावों से अंतर्मन खंगालने में दक्ष हो सकें। समस्या के तात्कालिक समाधान के लिए कोई सार्थक पहल कर सकें। हालांकि नई शिक्षा नीति में ऐसे कुछ उपाय किए गए हैं, जो कालांतर में परिणाममूलक साबित होंगे।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

स्वस्थ परंपराओं का निर्वहन करें पक्ष-विपक्ष

विश्वनाथ सचदेव

पिछले दिनों हमने संविधान-दिवस मनाया था। 26 नवम्बर 1949 को देश ने अपना संविधान पूरा करके उस पर हस्ताक्षर किये थे। हमारे संविधान-निर्माताओं के ये हस्ताक्षर देश के हर नागरिक का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये हस्ताक्षर कुल मिलाकर इस बात की सहमति और स्वीकृति हैं कि देश का संविधान सर्वोपरि है। हमारे प्रधानमंत्री कई बार इसे 'हमारा सबसे बड़ा' धर्म ग्रंथ कह चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी जब सांसद बनकर पहली बार संसद भवन पहुंचे थे तो उन्होंने संसद भवन की सीढ़ियों पर शीश झुकाकर जनतंत्र के सर्वोच्च मंदिर को प्रणाम किया था। जनतंत्र का यह मंदिर और धर्म ग्रंथ, दोनों, हमारे देश की गरिमा के प्रतीक हैं। इनका सम्मान उन मूल्यों और आदर्शों का सम्मान है जो जनतांत्रिक व्यवस्था की महत्ता को रेखांकित करते हैं। उस दिन जब संसद में संविधान-दिवस मनाया गया तो सांसदों को प्रधानमंत्री के अलावा राष्ट्रपति ने भी संबोधित किया था। एक चीज़ जो खलने वाली थी, वह कार्यक्रम का विपक्ष द्वारा बहिष्कार था। यह कार्यक्रम सरकार का नहीं था, पूरी संसद का था। संविधान में अपनी आस्था और निष्ठा प्रकट करने के इस अवसर को किसी भी पक्ष द्वारा राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति का माध्यम बनाना उचित नहीं कहा जा सकता। सरकार और विपक्ष दोनों का कर्तव्य बनता था कि वे इस अवसर की गरिमा और पवित्रता की रक्षा के प्रति सजग दिखाई देते। पर ऐसा हुआ नहीं। दोनों पक्षों की बराबर की भागीदारी होनी चाहिए थी इस कार्यक्रम में। सभी पक्षों को अवसर मिलना चाहिए था संविधान के प्रति अपनी निष्ठा को स्वर देने का। यह सहभागिता ही जनतांत्रिक व्यवस्था को महत्वपूर्ण बनाती है। गरिमा प्रदान करती है। अच्छी बात है कि इस सहभागिता को संसद का सत्र प्रारंभ होने से पहले प्रधानमंत्री ने फिर से रेखांकित किया। पर इसे सुनिश्चित करने का काम भी मुख्यत- सत्ता पक्ष को ही करना होता है। पर, दुर्भाग्य से, संसद के पिछले कई सत्रों में सहभागिता की भावना का अभाव दिखाई दिया है। दोनों पक्ष इसके लिए एक-दूसरे को दोषी ठहरा सकते हैं, ठहराते भी हैं। लेकिन इस बात को नहीं भुलाया जाना चाहिए कि संसद की कार्रवाई सुचारु रूप से चले, इसका दायित्व मुख्यत- सत्तारूढ़ पक्ष पर ही होता है। जनतंत्र में यह अवसर संसद के कामकाज में सहभागिता से परिभाषित होता है। सहभागिता का अर्थ है विचार-विमर्श में हिस्सेदारी। मुद्दों पर बहस ही वह माध्यम है, जिससे सदन में सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित होती है। लेकिन, जिस तरह से संसद में विवादास्पद कृषि-कानूनों की वापसी का विधेयक पारित हुआ, वह इस सहभागिता को अंगूठा दिखाने वाला काम ही कहा जा सकता है। लोकसभा में सिर्फ तीन मिनट और राज्यसभा में नौ मिनट में इन कानूनों को वापस ले लिया गया। कानूनों की वापसी करने का निर्णय लेने में सरकार को पूरा एक साल लग गया, और मिनटों में कानूनों को निरस्त कर दिया गया। कोई बहस नहीं, कोई विचार-विमर्श नहीं। तीनों कानूनों को वापस लेने की घोषणा भी प्रधानमंत्री ने सदन के बजाय मीडिया में राष्ट्र के नाम संदेश में करना बेहतर समझा। संसद को इस बारे में सरकार से सवाल-जवाब का अवसर मिलना ही चाहिए था। कानून वापस लेने के कुछ घंटे पहले ही प्रधानमंत्री ने यह कहा था कि सरकार खुले दिमाग से हर मुद्दे पर सभी सवालों के जवाब देने के लिए तैयार है। वे तो यह भी कह चुके हैं कि सीमित समय के लिए ही सही, कुछ बहस तो राजनीतिक छींटाकशी के बगैर भी होनी चाहिए। पर सिर्फ बातों से बात नहीं बनती। संसद की गरिमा और महत्व का तकाज़ा है कि सांसदों को गंभीर बहस का अवसर मिले। मुद्दों पर विचार-विमर्श हो। संसद के पिछले सत्र में पंद्रह कानून दस मिनट से भी कम समय में पारित हुए थे। स्पष्ट है, यह काम विचार-विमर्श के बिना ही हुआ होगा। कृषि-कानूनों पर ज़रूर दोनों सदनों में लगभग दो-दो घंटे तक बहस हुई थी, पर शायद पर्याप्त नहीं था इतना समय। समुचित समय मिलता तो शायद कोई स्वीकार्य कानून बन सकते। अब भी जब कृषि कानूनों को निरस्त करने वाला विधेयक पारित हुआ तो विपक्ष की बहस की मांग को ठुकरा दिया गया। बहरहाल, संसद के शीतकालीन सत्र का पहला ही कानून बिना किसी बहस के पारित हो, यह कोई शुभ संकेत नहीं है। उम्मीद की जानी चाहिए कि दोनों पक्ष, सरकार और विपक्ष, इस संदर्भ में अपने-अपने दामन में झाकेंगे। पर इससे भी महत्वपूर्ण बात उस मतदाता के सम्मान की है, जिसने दोनों को चुना है। कृषि कानूनों को वापस लेने के प्रधानमंत्री के निर्णय को उनके समर्थक 'राष्ट्र-हित' में लिया गया 'महान' निर्णय बता रहे हैं, लेकिन यह बात सदन में होती तो बेहतर होता। तब यह भी पूछा जा सकता कि कृषि-कानूनों के संदर्भ में वह क्या था जो राष्ट्र-हित में नहीं था? इस तरह के अवसर बहस से ही मिल सकते हैं। सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष, दोनों को ऐसे अवसरों की संभावनाएं बढ़ाने के बारे में सोचना होगा। यह याद रखना ज़रूरी है कि बहस संसद की प्राणवायु है!

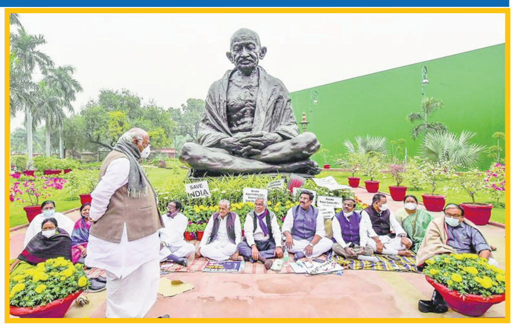

आज के कार्टून

आलस्य

श्रीराम शर्मा आचार्य

दरिद्रता भयानक अभिशाप है। इससे मनुष्य के शारीरिक, पारिवारिक, सामाजिक, मानसिक एवं आत्मिक स्तर का पतन हो जाता है। कहने को कोई कितना भी सन्तोषी, त्यागी एवं निस्पृह क्यों न बने किन्तु जब दरिद्रता जन्य अभावों के थपेड़े लगते हैं तब कदाचित ही कोई ऐसा धीर-गम्भीर निकले जिसका अस्तित्व कांप न उठता हो। यह दरिद्रता की स्थिति का जन्म मनुष्य के शारीरिक एवं मानसिक आलस्य से ही होता है। गरीबी, दीनता, हीनता आदि कुफल आलस्यरूपी विषबेलि पर ही फला करते हैं। आलसी व्यक्ति परावलम्बी एवं पर भाग भोगी ही होता है। इस धरती पर परिश्रम करके ही अन्न-वस्त्र की व्यवस्था हो सकती है। यदि परमात्मा को मनुष्य की परिश्रमशीलता वांछनीय न होती तो वह मनुष्य का आहार रोटी वृक्षों पर उगाता। बने बनाए वस्त्रों को घास-फूस की तरह पैदा कर देता। मनुष्य को पेट भरने और शरीर ढकने के लिए भोजन-वस्त्र कड़ी मेहनत करके ही पैदा करना होता है। नियम है कि जब सब खाते-पहनते हैं तो सबको ही मेहनत और काम करना चाहिए। इसका कोई अर्थ नहीं कि एक कमाये और दूसरा बैठा-बैठा खाए। कोई काम किये बिना भोजन-वस्त्र का उपयोग करने वाला दूसरे के परिश्रम का चोर कहा गया है। अवश्य ही उसने हराम की तोड़कर संसार के किसी कोने में श्रम करते हुए किसी व्यक्ति का भाग हरण किया है। दूसरे का भाग चुराना नैतिक, सामाजिक और आत्मिक रूप से पाप है और अकर्मण्य आलसी इस पाप को निर्लज्ज होकर करते ही रहते हैं। जो खाली ढाली रहकर निठल्ला बैठा रहता है उसका शारीरिक ही नहीं मानसिक और आध्यात्मिक पतन भी हो जाता है।'खाली आदमी शैतान का साथी' वाली कहावत आलसी पर पूरी तरह चरितार्थ होती है। जो निठल्ला बैठा रहता है उसे तरह-तराह की खुराफातें सूझती रहती हैं। यह विशेषता परिश्रमशीलता में ही है कि वह मनुष्य के मस्तिष्क में विकारपूर्ण विचार नहीं आने देती पुरु षार्थी व्यक्ति को इतना समय ही नहीं रहता कि वह काम से फुरसत पाकर ऊहापोह में लगा रहेगा और अकर्मण्य आलसी के पास इसके सिवाय कोई काम नहीं रहता, निदान उसे अनेक प्रकार की ऐसी विकृतियां और दुर्गुण घेर लेते हैं जिससे उसके चरित्र का अधःपतन हो जाता है।

सू-दोकू नवताल -1980

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

सू-दोकू 1979 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 1980

1		2	■	3		4	■	5	6
	■	7			■	8		■	
■	9		■	10	11		■	12	■
13		■	14			■	15		
	■	16	■		■	17			■
18			■	19	20		■	■	21
	■	22				■	23		
24			■	25		■		■	
	■	■	26		■	27		■	■
■	28						■	29	

बायें से दायें:-

1. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-3
3. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-3
5. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-2
7. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-3
8. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-2
9. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-2
10. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-3
13. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-2
14. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-3
15. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-3
17. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-3
18. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-3
19. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-3
22. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की 1972 की एक फिल्म-4
23. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-3
24. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-3
25. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-2
26. 1971 में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-2
27. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-2
28. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-4,2
29. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-2
2. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
3. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-2,3,2,3
4. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-3
6. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-2
9. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-3
11. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-2
12. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-3
13. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-2,1,3
15. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-2
16. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-4
17. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-2
20. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-3
21. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-3
23. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-3
26. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-2
27. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-1979

सं	न्या	सी	■	ह	मे	शा	■	खौ	फ
ध्या	■	मा	सू	म	■	र	क्षा	■	र्ज
■	रो	■	र	■	सौ	दा	■	त्रि	■
ना	जा	य	ज	■	त	■	श्री	दे	वी
ग	■	की	■	जा	न	म	■	व	■
म	हा	न	■	गृ	■	द	म	■	मा
णि	■	■	प्र	ति	का	र	■	ज	या
■	फ	र	हा	■	लि	■	■	मा	■
रॉ	की	■	र	जि	या	सु	ल्ता	न	■
■	रा	खी	■	स्म	■	र	■	त	ब्बू

डिश टीवी की सालाना आम बैठक 30 दिसंबर को

नयी दिल्ली.

डिश टीवी की सालाना आम बैठक (एजीएम) 30 दिसंबर को होगी। डायरेक्ट-टू-होम (डीटीएच) कंपनी को उसके सबसे बड़े शेयरधारक यस बैंक ने अपने निदेशक मंडल के पुनर्गठन के लिए नोटिस भेजा हुआ है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में डिश टीवी ने कहा, ''उसके निदेशक मंडल ने तीन दिसंबर, 2021 को जारी परिपत्र के जरिये शेयरधारकों की 33वीं सालाना आम बैठक 30 दिसंबर, 2021 को बुलाने का फैसला किया है। इससे पहले डिश टीवी ने 29 नवंबर को नियामकीय मंजूरियां लेने के बाद अपनी एजीएम को एक महीने के लिए टाल दिया था। एस्सेल समूह की कंपनी की वार्षिक आम बैठक पहले 30 नवंबर, 2021 को होनी थी। यस बैंक लि. ने डिश टीवी को अपने प्रबंध निदेशक जवाहर गोयल और चार अन्य निदेशकों को बोर्ड से हटाने के लिए नोटिस दिया हुआ है। यस बैंक की कंपनी में 24.19 प्रतिशत हिस्सेदारी है। डिश टीवी द्वारा यस बैंक की मांग को खारिज कर दिया गया है। इसके बाद यस बैंक इस मामले को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में लेकर गया है। इससे पहले डिश टीवी ने 29 अक्टूबर को कहा था कि वह एनसीएलटी में यस बैंक की याचिका के मद्देनजर एजीएम बुलाने के लिए 31 दिसंबर तक का समय मांगेगी।

स्मार्टफोन के माध्यम से एंड्रॉइड टीवी एप इंस्टॉलेशन अधिक यूजर्स के लिए उपलब्ध

सैन फ्रांसिस्को। गूगल ने उस कार्यक्षमता को रोल आउट करना शुरू कर दिया है जो यूजर्स को अपने फोन के माध्यम से अपने एंड्रॉइड-सक्षम स्मार्ट टीवी पर ऐप्स इंस्टॉल करने में सक्षम बनाता है। अब, उपयोगकर्ता अंततः अपने स्मार्टफोन पर प्ले स्टोर से अपने एंड्रॉइड टीवी उपकरणों पर एक एप इंस्टॉल कर सकते हैं। गिज्मोचाइना की रिपोर्ट के अनुसार, यह विकल्प केवल उन एप्लिकेशन के लिए दिखाई देता है जो एंड्रॉइड टीवी पर उपलब्ध हैं। नए फंक्शन के साथ, गूगल स्मार्ट टीवी पर प्ले स्टोर पर एप्स ब्राउज करने की परेशानी को ठीक करने की कोशिश कर रहा है। केवल आवश्यकता यह है कि एक ही गूगल अकाउंट को स्मार्टफोन और एंड्रॉइड टीवी डिवाइस दोनों में लॉग इन किया जाना चाहिए।इस सुविधा ने गूगल प्ले स्टोर पर इंस्टॉल बटन में एक ड्रॉप-डाउन मेनू जोड़ा, जो किसी अकाउंट में रजिस्टर्ड स्मार्ट डिवाइसेस की सूची दिखाता है। कोई भी एंड्रॉइड टीवी के बगल में स्थित चेकबॉक्स पर टैप कर सकता है और एंड्रॉइड टीवी पर एप प्राप्त करने के लिए इंस्टॉल बटन पर टैप कर सकता है। नई सुविधा पहले सीमित संख्या में यूजर्स के लिए उपलब्ध थी, जिन्होंने प्ले स्टोर का लेटेस्ट वर्जन स्थापित किया है। अब यह दुनिया भर में अधिक यूजर्स के लिए उपलब्ध है।

बजट में विदेशी बैंकों को मिल सकती है राहत, 15% तक घटा सकती है टैक्स

बिजनेस डेस्क:

सरकार भारतीय विदेशी बैंकों की स्थानीय शाखाओं को बैंकों के समान कर की पेशकश के प्रस्ताव पर विचार कर सकती है, जिससे उनके लिए कर की दर लगभग 15 फीसदी अंक घटकर 22 फीसदी रह जाएगी। लाइवमिंट की रिपोर्ट के मुताबिक, दो सरकारी अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक अधिकारी ने कहा, हम इस मुद्दे पर विचार कर रहे हैं। आगामी बजट में इससे संबंधित एक घोषणा हो सकती है। वित्त मंत्रालय कुछ विदेशी लेंडर्स द्वारा दिए गए एक प्रस्तुतीकरण पर विचार कर रहा है।

विदेशी बैंक देते हैं ज्यादा कर

विदेशी बैंक, घरेलू लेंडर्स की तुलना में खासा ज्यादा कर देते हैं क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में **Corporate Tax** की दर में की गई कटौती उन पर लागू नहीं होती है। भले ही, यदि वे अपने ऑपरेशन को सब्सिडियरीज में बदल दें तो उन पर कम कर लग सकता है लेकिन इससे जुड़ी जटिलताओं और नियामकीय चुनौतियों को देखते हुए कुछ ने ही यह विकल्प चुना है।

विदेशी बैंकों पर लगता है 40% से ज्यादा कर

बैंकों ने सरकार से उनके साथ भारतीय बैंकों के समान व्यवहार करने के लिए कहा है, क्योंकि उन पर समान नियम और मानदंड लागू होते हैं। साथ ही वे लाभ और कर योग्य आय की गणना के लिए समान तरीका ही उपयोग करते हैं। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने कहा, भले ही घरेलू बैंकों ने कर कानूनों के तहत 22 फीसदी (सरचार्ज और सेस अतिरिक्त) के कम दर वाले विकल्प को चुना है, लेकिन विदेशी कंपनियों को यह विकल्प उपलब्ध नहीं है। इससे खासी असमानता की स्थिति पैदा हो गई है। विदेशी बैंकों की शाखाओं पर कर की 40 प्रतिशत की मूल दर के अलावा सरचार्ज और सेस भी लिया जाता है।

टेक महिंद्रा ने अमेरिकी कंपनी का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली:

सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी टेक महिंद्रा ने करीब 466 करोड़ रुपए में एक्टिवस कनेक्ट की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीद ली है। टेक महिंद्रा ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके मुताबिक घरों पर काम करने वाले उपभोक्ताओं को सेवाएं देने वाली अमेरिकी कंपनी एक्टिवस कनेक्ट के अधिग्रहण से टेक महिंद्रा को कार्यस्थल समाधान के क्षेत्र में मजबूती मिलेगी। वर्ष 2018 में गठित एक्टिवस कनेक्ट के करीब 1,750 कर्मचारी हैं और गत 31 दिसंबर 2020 को समाप्त अमेरिकी वित्त वर्ष में उसका राजस्व 1.7 करोड़ डॉलर रहा था।

1123 किलो प्याज बेच हुई 13 रुपए की कमाई! जानें क्या है मामला

मुंबई: सर्दियों के मौसम के दौरान प्याज की कीमतों में वृद्धि के बावजूद महाराष्ट्र के सोलापुर से एक किसान को 1,123 किलो प्याज बेचकर महज 13 रुपए की कमाई हुई। महाराष्ट्र के किसान नेता ने जहां इसे अस्वीकार्य बताया है, वही एक कमीशन एजेंट ने दावा किया कि खराब गुणवत्ता के कारण माल की कम कीमत लगाई गई है। सोलापुर स्थित कमीशन एजेंट द्वारा दी की गई बिक्री रसीद में महाराष्ट्र के एक किसान बप्पू कावड़े ने बाजार में 1,123 किलो प्याज भेजा और इसके बदले उसे केवल 1,665.50 रुपए मिले। इसमें खेत से कमीशन एजेंट की दुकान तक माल ले जाने की श्रम लागत, वजन करने का शुल्क और परिवहन खर्च शामिल है जबकि उत्पादन लागत 1,651.98 रुपए है। इसका मतलब है कि किसान ने केवल 13 रुपए कमाए। कावड़े की बिक्री रसीद ट्वीट करने वाले स्वाभिमानी शेतकारी संगठन के नेता और पूर्व लोकसभा सांसद राजू शेट्टी ने कहा, कोई इन 13 रुपए का क्या करेगा। यह अस्वीकार्य है। किसान ने अपने खेत से कमीशन एजेंट की दुकान पर प्याज की 24 बोरी भेजी और बदले में उसने इससे सिर्फ 13 रुपए कमाए।

लोगों में बढ़ा क्रेडिट कार्ड का क्रेज, अक्तूबर में पहली बार पार किया 1 लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा

बिजनेस डेस्क:

भारत में क्रेडिट कार्ड से खरीदार माह-दर-माह बढ़ती जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अक्तूबर महीने में देश में क्रेडिट कार्ड के माध्यम से की गई खरीदारी में 12 फीसदी का इजाफा देखा गया है। क्रेडिट कार्ड से हुए खर्च ने अक्टूबर में पहली बार 1 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार किया है। गौरतलब है कि अक्तूबर महीने में त्योहारी सीजन था, जिसके चलते हर क्षेत्र में मांग बढ़ी और लोगों ने जमकर खरीदारी की। इस दौरान खरीदारी करने वाले लोगों ने कैश से ज्यादा ऑनलाइन पेमेंट करने को तरजीह दी। खासतौर पर क्रेडिट कार्ड से कर्ज लेकर खरीदारी ज्यादा की गई। यही कारण है कि अक्तूबर में पहली बार क्रेडिट कार्ड से होने वाला खर्च 1 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर 1,01,200 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

पिछले महीने से 26% ज्यादा खर्च

त्योहारी सीजन के दौरान की गई जमकर खरीदारी में लोगों ने सबसे ज्यादा आईसीआईसीआई और एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट कार्ड का उपयोग किया। रिपोर्ट के अनुसार, अक्तूबर में इससे पिछले महीने सितंबर की तुलना में क्रेडिट कार्ड से खरीदारी 26 फीसदी ज्यादा की गई।

देश में क्रेडिट कार्ड यूजर बढ़े

इस रिपोर्ट में जानकारी दी गई कि देश में जिस तरह से ऑनलाइन खरीदारी (खासकर क्रेडिट कार्ड से) बढ़ रही है। उसी तेजी से क्रेडिट कार्ड उपयोगकर्ताओं की संख्या में भी इजाफा देखने को मिल रहा है। अक्तूबर महीने में विभिन्न बैंकों के द्वारा 13 लाख 36 हजार नए उपयोगकर्ताओं को क्रेडिट कार्ड मुहैया कराए। इस तरह सितंबर की तुलना में क्रेडिट कार्ड उपयोगकर्ताओं की संख्या में करीब 22 फीसदी की वृद्धि हुई है।

ICICI ने दिए सबसे ज्यादा कार्ड

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा आंकड़ों को देखें तो पता चलता है कि देश में क्रेडिट कार्ड उपयोगकर्ताओं की कुल संख्या 6.64 करोड़ तक पहुंच चुकी है। इस आंकड़े में मासिक आधार पर अक्तूबर में पिछले 14 महीनों की सबसे तेज बढ़त दर्ज की गई है। इस दौरान त्योहारी सीजन में सबसे ज्यादा क्रेडिट कार्ड आईसीआईसीआई बैंक की ओर से जारी किए गए। आईसीआईसीआई ने अक्तूबर में 2.78 लाख नए उपयोगकर्ता जोड़े।

नए सीईओ पराग अग्रवाल ने शुरू किया ट्विटर को बेहतरीन बनाने का काम

सैन फ्रांसिस्को।

नए ट्विटर सीईओ पराग अग्रवाल ने कंपनी का पुनर्गठन शुरू कर दिया है और दो वरिष्ठ अधिकारी पहले ही पुनर्गठन योजना के हिस्से के रूप में पद छोड़ चुके हैं। द वाशिंगटन पोस्ट की एक ईमेल का हवाला देते हुए एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्विटर के मुख्य डिजाइन अधिकारी डैंटली डेविस और इंजीनियरिंग के प्रमुख माइकल मोंटानो दोनों ने पद छोड़ दिया है। डेविस 2019 में तो मोंटानो 2011 में कंपनी में शामिल हुए थे। शुक्रवार देर रात मीडिया रिपोर्ट्स में ट्विटर के एक प्रवक्ता के हवाले से कहा गया, डैंटली का जाना हमारे संगठनात्मक मॉडल को एक ऐसे ढांचे के इर्द-गिर्द शिफ्ट करने पर केंद्रित है, जो कंपनी के एक प्रमुख उद्देश्य का समर्थन करता है। प्रवक्ता ने कहा, इसमें शामिल व्यक्तियों के सम्मान में इन परिवर्तनों पर साझा करने के लिए हमारे पास और विवरण नहीं है। एक ईमेल में अग्रवाल ने लिखा था कि कंपनी ने हाल ही में महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अपनी रणनीति को अपडेट किया है, और मुझे विश्वास है कि रणनीति साहसिक और सही होनी चाहिए। इसमें कहा गया, लेकिन हमारी महत्वपूर्ण चुनौती यह है कि हम इसके खिलाफ कैसे काम करते हैं और परिणाम देते हैं। इसी तरह हम ट्विटर को अपने ग्राहकों, शेयरधारकों और आप में से प्रत्येक के लिए सर्वश्रेष्ठ बना सकते हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में, वर्तमान सीटीओ अग्रवाल को कमान सौंपते हुए ट्विटर के सीईओ जैक डोर्सी ने कंपनी से पद छोड़ने का फैसला किया था। अग्रवाल एक दशक से अधिक समय से ट्विटर के साथ हैं और 2017 से मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं।

कर्नाटक ने राज्य में निवेश करने के लिए फिनटेक कंपनियों का किया स्वागत

बेंगलुरु।

कर्नाटक के उद्योग मंत्री मुरुगेश आर. निरानी ने शुक्रवार को राज्य में निवेश करने के लिए फिनटेक कंपनियों का स्वागत किया और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने का वादा किया। निरानी ने यहां ट्रांसफॉर्मिंग द वैल्यूएशन इकोसिस्टम विषय पर 52वीं इंडियन वैल्यूअर्स कांग्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि फिनटेक कर्नाटक के लिए एक बड़ा उभरता हुआ उद्योग है। निरानी ने कहा, कर्नाटक में जिलों में एक मजबूत वित्तीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना हमारे लिए प्राथमिकता है। हमारा राज्य भारत की सबसे लोकप्रिय फिनटेक कंपनियों का घर है। हमारे मजबूत उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र ने युवा पेशेवरों को नियोक्ता बनने और विभिन्न क्षेत्रों का पता लगाने में सक्षम बनाया है। निरानी ने कहा, कर्नाटक की औद्योगिक नीति 2020-2025 ने वित्त क्षेत्र को फोकस क्षेत्रों में से एक के रूप में मान्यता दी है। हमारे सुधार और पहल सभी 21वीं सदी के लिए कर्नाटक को तैयार करने के उद्देश्य से हैं। हमारी महत्वाकांक्षा कर्नाटक को बुनियादी ढांचे और उभरते उद्योगों में अग्रणी के रूप में स्थापित करना है।

म्यूचुअल फंड योजनाओं के लिए ESG खुलासा लागू करने की तैयारी में सेबी

नई दिल्ली:

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रमुख अजय त्यागी ने शुक्रवार को कहा कि नियामक म्यूचुअल फंड योजनाओं के लिए पर्यावरण संवहनीयता एवं कामकाज (ईएसजी) विषयवस्तु के बारे में खुलासा करने की व्यवस्था लागू करने की प्रक्रिया में है। त्यागी ने कहा कि सेबी क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों की तरफ से जारी होने वाली प्रेस विज्ञप्ति में ईएसजी से संबंधित पहलुओं के खुलासे का भी परीक्षण कर रहा है। सेबी प्रमुख ने भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि ईएसजी मानकों पर गहन शोध की जरूरत है जिसमें उच्च गुणवत्ता वाली उद्देश्यपरक रेटिंग मानकों के विकास पर जोर हो। त्यागी ने कहा कि भारतीय निवेशक ईएसजी मानकों पर खरी उतरने वाली कंपनियों एवं निवेश साधनों में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इसके अलावा म्यूचुअल फंड उद्योग में ईएसजी फंड का तीव्र विस्तार भी हो रहा है। परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां (एएमसी) ईएसजी संवर्ग में इक्विटी योजनाएं लेकर आ रहे हैं। गत 31 अक्टूबर को भारत में 11 म्यूचुअल फंड योजनाओं का विषय ईएसजी था और 13,000 करोड़ रुपए से अधिक प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति उनके पास थी।

यूट्यूब ऐप ने सभी वीडियो के लिए शुरू की लिसनिंग कंट्रोल सुविधा

सैन फ्रांसिस्को।

यूट्यूब ने कथित तौर पर एंड्रॉइड और आईओएस यूजर्स के लिए एक सुनने का कंट्रोल सुविधा शुरू की है। इस नई सुविधा का फायदा केवल यूट्यूब प्रीमियम ग्राहक उठा सकते हैं। 9टु5गूगल की रिपोर्ट के अनुसार, लिसनिंग कंट्रोल वीडियो विंडो के नीचे की हर चीज को एक विरल शीट से बदल देता है। प्ले/पाउस, नेक्स्ट/पिछला और 10-सेकंड रिवाइंड/फॉरवर्ड मुख्य बटन हैं। लिसनिंग कंट्रोल का उपयोग करके, यूट्यूब ऐप उपयोगकर्ता चाहें तो नए गीतों को प्लेलिस्ट में भी सहेज सकते हैं। यह सुविधा अब यूट्यूब एंड्रॉइड और आईओएस यूजर्स के लिए व्यापक रूप से उपलब्ध है और यह केवल यूट्यूब प्रीमियम यूजर्स के लिए उपलब्ध है। एंड्रॉइड यूजर्स के लिए यूट्यूब ऐप पहले ही गूगल प्ले स्टोर पर 10 बिलियन डाउनलोड को पार कर चुकी है। विश्व स्तर पर सबसे बड़े और सबसे प्रसिद्ध स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के रूप में, यह हमेशा संभावना थी कि यूट्यूब प्लेस्टोर पर इस तरह के डाउनलोड मील के पत्थर को हिट करने वाला पहला उचित उपयोगकर्ता-सामना करने वाला एंड्रॉइड ऐप बन जाएगा। यह देखते हुए कि ऐप लगभग सभी उपकरणों पर पहले से इंस्टॉल आता है, यह मामूली रूप से मजबूत होता है और यहां तक कि प्ले स्टोर के अस्तित्व में आने से पहले से कुछ सक्रियण भी शामिल हो सकते हैं।

मस्क का स्टारलिंक भारत में 31 जनवरी तक वाणिज्यिक लाइसेंस के लिए करेगा आवेदन

नई दिल्ली।

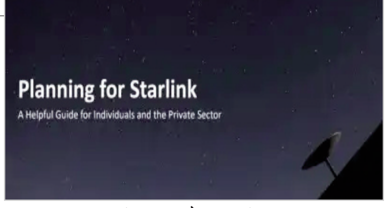

अरबपति एलन मस्क की रॉकेट कंपनी स्पेसएक्स के सैटेलाइट इंटरनेट डिवीजन स्टारलिंक ने घोषणा की है कि वह 31 जनवरी, 2022 तक भारत में एक वाणिज्यिक लाइसेंस के लिए आवेदन करेगा। यह घोषणा दूरसंचार विभाग, संचार मंत्रालय, केंद्र सरकार द्वारा स्टारलिंक को देश में उपग्रह-आधारित इंटरनेट सेवाओं की पेशकश करने के लिए आवश्यक अनुमति प्राप्त के लिहाज से चेतावनी देने के कुछ दिनों बाद आई है। स्टारलिंक के भारत निदेशक संजय भार्गव ने एक लिंक्डइन पोस्ट में कहा, हमें उम्मीद है कि 31 जनवरी, 2022 को या उससे पहले वाणिज्यिक लाइसेंस के लिए आवेदन किया होगा (जब तक कि हम कुछ बड़ी बाधा नहीं डालते)। भार्गव ने अपने पोस्ट में यह भी कहा कि कैसे कई स्थितियों में कनेक्टिविटी के लिए स्टारलिंक महान हो सकता है। उन्होंने कहा कि 100 प्रतिशत ब्रॉडबैंड इंडिया को हितधारकों, सेवा प्रदाताओं और प्रौद्योगिकियों के बीच सहयोग की आवश्यकता होगी और स्टारलिंक सभी को उनके उपयोग के बारे में सोचने और जिलों के साथ-साथ निजी उपयोग के लिए कनेक्टिविटी योजनाओं को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इससे पहले, स्टारलिंक ने घोषणा की कि वह इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने के लिए 10 ग्रामीण लोकसभा क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगी। भार्गव ने कहा था, मैं सांसदों, मंत्रियों, केंद्र सरकार के सचिवों या राज्यों के प्रधान सचिवों के साथ 30 मिनट की आभासी बातचीत करने के लिए भी उत्सुक हूं, यह देखने के लिए कि क्या उन्हें लगता है कि 100 प्रतिशत ब्रॉडबैंड जीवन को बेहतर बनाने में मदद करेगा। स्टारलिंक ने हाल ही में ग्राहकों को 100,000 टर्मिनल भेजे हैं। इस परियोजना का उद्देश्य उपग्रहों के समूह के माध्यम से वैश्विक ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करना है। स्पेसएक्स ने नवंबर 2019 में उपग्रह प्रक्षेपण शुरू किया और लगभग एक साल बाद चुनिंदा ग्राहकों के लिए अपना 99 डॉलर प्रति माह बीटा कार्यक्रम खोला।

शाओमी को अपनी स्मार्टफोन रणनीति को फिर से करना होगा परिभाषित

बीजिंग।

तीसरी तिमाही के लिए चीनी ब्रांड शाओमी की संख्या, इसकी बैलेंस शीट पर चल रहे वैश्विक पुर्जो की कमी के प्रभाव को दिखाती है और इसकी स्मार्टफोन रणनीति को संदेह के घेरे में रखती है। एक नई रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई। राजस्व केवल 0.5 प्रतिशत (ऑन-ईयर) बढ़ा और 19 प्रतिशत (ऑन-क्वार्टर) गिर गया, जबकि तिमाही बिक्री वृद्धि एक वर्ष से अधिक समय में सबसे धीमी थी। काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, इस सब ने कई लोगों को शाओमी की व्यावसायिक रणनीतियों पर सवाल उठाने के लिए प्रेरित किया है। लेकिन शाओमी पहले से ही काम कर रहा है, सुधार के लिए क्षेत्रों को चुन रहा है और बाहरी कारकों से निपटने के तरीके खोज रहा है। वैश्विक स्तर पर, शाओमी ने चल रहे एसओसी की कमी का अनुभव किया, जैसा कि इसकी लेटेस्ट तिमाही आय कॉल में उल्लेख किया गया था। काउंटरपॉइंट के वरिष्ठ शोध विश्लेषक इवान लैम ने कहा, शाओमी के मुख्य शिपमेंट योगदानकर्ता 4जी सक्षम स्मार्टफोन हैं, विशेष रूप से 300 डॉलर से नीचे के स्मार्टफोन 4जी एसओसी भी स्मार्टफोन में सबसे बड़ी कमी का सामना कर रहे हैं। शाओमी ने अपने मजबूत वैल्यु-फॉर-मनी और मुख्य रूप से 300 डॉलर से कम उत्पाद पोर्टफोलियो के साथ, विश्व स्तर पर पिछले तीन वर्षों में एक बड़ी बाजार हिस्सेदारी हासिल की है। सबसे पहले, शाओमी स्थानीय ब्रांडों से एक बड़ा हिस्सा लेने में कामयाब रहा है, जो मुख्य रूप से चीनी ओडीएम से अपनी आपूर्ति प्राप्त कर रहे थे और इसलिए, मूल्य निर्धारण लाभ और सॉफ्टवेयर में मुख्य योग्यता की कमी थी। लैम ने कहा, दूसरा, स्थानीय ओईएम शाओमी की मार्केटिंग क्षमता से मेल खाने की स्थिति में नहीं हैं। इसलिए, सही तरह की पैठ रणनीति के साथ, यह एक बहुत ही शक्तिशाली जन बाजार विकल्प हो सकता है। शाओमी के गृह देश चीन में ऑफलाइन मार्केट में उसका संघर्ष जारी रहा। ऑफलाइन बाजार में ओप्पो और वीवो की 65 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी थी, जबकि ऑनर के मजबूत रिटर्न का मतलब शाओमी पर भारी असर था।

भारत /न्यूजीलैंड : 62 रनों पर सिमटी कीवी टीम, न्यूजीलैंड के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड

ताश के पत्तों की तरह ढह गए कीवी, सिराज ने तोड़ी कमर और चला फिरकी का जादू

मुंबई (एजेंसी)।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो मैचों की सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा रहा है। दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। भारत ने दूसरी पारी में बिना विकेट खोए 69 रन बना लिए हैं। भारत की तरफ से चेतेश्वर पुजारा 29 और मयंक अग्रवाल 38 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने पहली पारी के आधार पर कीवी टीम पर 332 रन की बढ़त बना ली है। इससे पहले भारत के गेंदबाजों ने कीवी टीम को पहली पारी 62 रन पर सिमेट दिया। भारत की तरफ से आर अश्विन ने सर्वाधिक 4 और मोहम्मद सिराज ने 3 विकेट लिए। इससे पहले भारत की पहली पारी 325 रनों पर सिमटी। न्यूजीलैंड की तरफ से कीवी स्पिनर एजाज पटेल ने इतिहास रचते हुए भारतीय पारी के सभी 10 विकेट झटक लिए। एजाज टेस्ट की एक पारी के सभी 10 विकेट झटकने वाले मात्र तीसरे स्पिनर हैं।

एजाज पटेल ने रचा इतिहास, कुंबले के रिकॉर्ड की बराबरी की, मुंबई टेस्ट में भारत के सभी 10 विकेट झटके

न्यूजीलैंड के स्पिन गेंदबाज एजाज पटेल ने भारत के दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। दरअसल, एजाज पटेल ने मुंबई टेस्ट में भारत के सभी 10 बल्लेबाजों का विकेट लिया। भारत की पूरी पारी 325 रनों पर सिमट गई। भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन मयंक अग्रवाल ने बनाए। मयंक अग्रवाल ने 311 गेंदों में 17 चौके और 4 छक्कों की मदद से 150 रन की पारी खेली। इसके अलावा शुभमन गिल ने 44 जबकि अक्षर पटेल ने 52 रन बनाए। आपको बता दें कि अनिल कुंबले ने पाकिस्तान के खिलाफ 10 विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया था। यह मुकाबला दिल्ली के फिरोजशाह कोटला स्टेडियम में खेला गया था।अनिल कुंबले ने पाकिस्तान के खिलाफ सिर्फ 26.3 ओवर में 74 रन देकर दस विकेट झटके थे। कुंबले ऐसा करने वाले पहले भारतीय बने थे। इसके अलावा इंग्लैंड के जिम लेकर ने भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1956 में एक पारी में दस विकेट लिए थे। एजाज पटेल का जन्म 1988 में मुंबई में हुआ था। उनका पूरा परिवार साल 1996 में न्यूजीलैंड में जाकर बस गया था। फिलहाल एहसास पटेल न्यूजीलैंड की ओर से अपना 11 टेस्ट मैच खेल रहे हैं।

बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के फाइनल में पहुंची, जापान की खिलाड़ी को दी शिकस्त

बाली। (एजेंसी)।

जापान की अकाने यामागुची को शनिवार को कठिन मुकाबले में हराकर भारतीय बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधू ने बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के फाइनल में प्रवेश कर लिया। मौजूदा विश्व चैम्पियन और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने यह रोमांचक मुकाबला 21 . 15, 15 . 21, 21 . 19 से जीता। वह सत्र के इस आखिरी टूर्नामेंट के फाइनल में तीसरी बार पहुंची है। उन्होंने 2018 में यह खिताब जीता था और यह उपलब्धि अपने नाम करने वाली वह अकेली भारतीय हैं।

दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधू का तीसरे नंबर की जापानी खिलाड़ी के खिलाफ रिकॉर्ड 12 . 8 का था। तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद सिंधू फ्रेंच ओपन, इंडोनेशिया मास्टर्स और इंडोनेशिया ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंची। वह मार्च में स्विस ओपन फाइनल हारगई थी।

ओमीक्रोन के चलते दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज अभी नहीं खेलेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना के नए वेरिएंट 'ओमीक्रोन' के चलते भारतीय क्रिकेट टीम का दक्षिण अफ्रीका के साथ खेले जाने वाले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को टाल दिया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने बताया कि भारतीय क्रिकेट टीम तीन टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैच के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा। जबकि दक्षिण अफ्रीका दौरे का हिस्सा रहे चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को तय तारीख पर नहीं खेला जाएगा। हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले की तारीखों का अभी ऐलान नहीं हुआ है।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने समाचार एजेंसी को बताया कि बीसीसीआई ने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका को बताया है कि भारतीय क्रिकेट टीम तीन टेस्ट और तीन एकदिवसीय मुकाबले के लिए यात्रा करेगी। बाकी के चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले बाद की तारीखों में खेले जाएंगे।

17 दिसंबर से शुरू होगा दौरा

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तय दौरे के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट टीम 9 दिसंबर को रवाना होगी। पहला टेस्ट 17 दिसंबर को जोहान्सबर्ग में खेला जाता। ऐसे में टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 टेस्ट, 3 एकदिवसीय और 4 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने वाली थी। लेकिन कोरोना के नए वेरिएंट ओमीक्रोन के चलते भारतीय टीम अब टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज नहीं खेलेगी। इससे पहले जानकारी मिली थी कि बीसीसीआई की सालाना होने वाली बैठक के दौरान भारतीय टीम के आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे पर फैसला लिया जाएगा। कहा जा रहा था कि ओमीक्रोन के वैश्विक मामलों को देखने के बाद क्रिकेट दौरे में एक सप्ताह की देरी हो सकती है।

बॉथम ने कहा, एशेज सीरीज उम्मीद से कहीं ज्यादा कठिन और रोमांचित होने वाली है

लंदन (एजेंसी)।

इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर इयान बॉथम ने कहा कि आठ दिसंबर से गाबा में शुरू होने वाली एशेज सीरीज उम्मीद से कहीं ज्यादा कठिन और रोमांचित होने वाला है। जो रूट की अगुवाई वाली इंग्लैंड की टीम शुरुआती टेस्ट में ब्रिस्बेन में पैट कमिंस की अगुवाई वाली टीम ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी और जबकि मेजबान टीम सीरीज जीतने के लिए ताबड़तोड़ मेहनत कर रही हैं। बॉथम ने शुक्रवार शाम को सेन ब्रेकफास्ट को बताया आपको अजीब तरह की हार मिलती है जो टीम को 1989 में और 2007 में मिली थी, लेकिन हर बार नहीं, अब टीम अपने अच्छे फार्म में हैं। ये कठिन प्रतियोगिताएं हैं और अक्सर दर्शकों को भी रोमांचित करती हैं। पूर्व क्रिकेटर ने यह भी कहा कि बाएं हाथ के स्पिनर जैक लीच ऑस्ट्रेलियाई विकेटों पर बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। 30 वर्षीय लीच ने अब तक 16 टेस्ट में लगभग 30 की औसत से 62 विकेट झटके हैं और वह इंग्लैंड की 17 सदस्यीय एशेज टीम में शीर्ष पर हैं।

भारत बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में हॉकी टीमों को मैदान में उतारेगा

मुंबई। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानंद्रो निंगोमबम द्वारा कुछ महीने पहले घोषित किए गए फैसले को पलटते हुए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) के साथ एक समझौता किया है, जिसमें भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमों को वादा किया गया है कि अगले साल बर्मिघम में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स में वह हिस्सा लेंगी।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ने कुछ महीने पहले राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के अध्यक्ष को सूचित किया था कि भारतीय पुरुष और महिला टीमें 2022 बर्मिघम खेलों में कोविड-19 संबंधित चिंताओं और

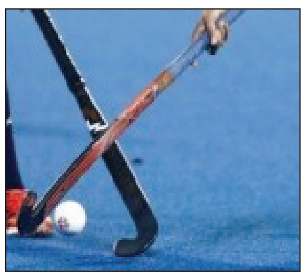

भेदभावपूर्ण और पक्षपाती क्वारंटीन नियमों का हवाला देते हुए भाग नहीं लेंगी। उन्होंने चीन के हांग्जो में एशियाई खेलों के लिए राष्ट्रमंडल खेलों की तारीखों की निकटता को बर्मिर्घम 2022 से टीमों को बाहर निकालने का कारण बताया। राष्ट्रमंडल खेलों 2022, जो 8 अगस्त को समाप्त हो रहा है और 10 सितंबर से शुरू हो रहे एशियाई खेलों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, हॉकी टीमों के पास आयोजन की तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं होगा। इस प्रकार, बर्मिर्घम से टीमों को वापस लेने का फैसला किया और इसके बजाय हांग्जो में एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित किया, क्योंकि पेरिस में 2024 ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाइंग इवेंट आयोजित होगा। लेकिन, अब राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के अध्यक्ष डेम लुईस मार्टिन ने पुष्टि की है कि भारतीय हॉकी टीमें बर्मिर्घम में खेलों में भाग लेंगी। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने सरकार से सलाह नहीं लेने के लिए हॉकी इंडिया की आलोचना की थी, जब शुरू में राष्ट्रमंडल खेलों में हॉकी टीमों को मैदान में नहीं उतारने का फैसला किया गया था तब रिपोर्ट्स में कहा गया था कि केंद्रीय खेल मंत्री आईओए प्रमुख और सीजीएफ अध्यक्ष के बीच बातचीत में भी शामिल थे। डेम लुईस ने कहा हॉकी राष्ट्रमंडल खेलों में एक विश्व स्तरीय प्रतियोगिता है, और यह एक अच्छी प्रतियोगिता होगी। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए प्रतिभागियों की अंतिम सूची फरवरी में घोषित की जाएगी।

एशेज के दौरान ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम में मार्नस को जगह पक्की करने की इच्छा

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष बल्लेबाज मार्नस लाबुस्चगने ने कहा कि वह खुशकिस्मत हैं कि उन्हें 2019 में टेस्ट टीम में खेलने का मौका मिला और तब से उनका लक्ष्य सिर्फ टीम में अपनी जगह पक्की करना और टीम का अभिन्न अंग बनना है। 27 वर्षीय लाबुस्चगने 2019 में लॉर्डस में शीर्ष क्रम के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ के सिर पर चोट लगने के बाद एक

विकल्प के रूप में टीम में आए थे। वह तब से टीम के एक प्रमुख सदस्य बन गए हैं और अब टेस्ट क्रिकेट में उनका औसत 60 से अधिक है, जिससे वह इतिहास में यह उपलब्धि हासिल करने वाले केवल चौथे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बने। 8 दिसंबर से गाबा में शुरुआती टेस्ट से पहले शनिवार को अभ्यास सत्र के बाद ब्रिस्बेन में सेन लाबुस्चगने ने डॉट कॉम डॉट एयू डॉट इन से कहा, मैं 2019 में मौका पाने और इसके साथ आगे बढ़ने के लिए भाग्यशाली था। मुझे इस पीढ़ी से केन विलियमसन, स्टीव स्मिथ, जो रूट, डेविड वार्नर, विराट कोहली जैसे महान खिलाड़ी देखने को मिले हैं, जो लगातार रन बनाते हैं। पिछले सीजन में भारत के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज में शानदार 53 की औसत के बावजूद, लाबुस्चगने को मैच खेलने में थोड़ी समस्या हो रही थी। लेकिन तीसरे नंबर के बल्लेबाज को इस बात की ज्यादा परवाह नहीं है कि इंग्लैंड के गेंदबाज इस कमजोरी का फायदा उठा सकते हैं। लाबुस्चगने ने कहा, इंग्लैंड निश्चित रूप से उस तरह की गेंदबाजी करने के लिए कोशिश कर रहा हैं।

बाबर आजम ने जड़ी नाबाद फिफ्टी, दूसरे टेस्ट के पहले दिन बैकफुट पर बांग्लादेश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम की 60 रन की नाबाद पारी से पाकिस्तान ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में शनिवार को पहले दिन का खेल खत्म होने तक 57 ओवर में दो विकेट पर 161 रन बनाकर ठोस शुरुआत की है। बारिश के कारण पहले दिन 57 ओवर को ही खेल हो सका। स्टंप्स के समय बाबर के साथ अजहर अली 36 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए अब तक 91 रन की अटूट साझेदारी कर ली है।

बाबर ने पारी के 50वें ओवर में मेहदी हसन मेराज (बिना किसी सफलता के 31 रन) की गेंद पर दो रन लेकर टेस्ट करियर का 19वां अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 99 गेंद की अपनी नाबाद पारी में सात चौके और एक छक्का लगाया। अधिक सतर्कता से बल्लेबाजी कर रहे अजहर ने 112 गेंद की अब तक की पारी में चार चौके लगाये है। इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद आबिद अली और अब्दुल्ला शफीक ने पहले विकेट के लिए 59 रन की साझेदारी कर पाकिस्तान को अच्छी शुरुआत दिलाई।

तैजुल इस्लाम ने पारी के 19वें ओवर में शफीक को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। शफीक ने 50 गेंद में 25 रन बनाए। उन्होंने इसके बाद आबिद को भी बोल्ड कर उनकी 81 गेंद में 39 रन की पारी को खत्म किया। इस्लाम ने 17 ओवर में 49 रन देकर दो विकेट लिए है। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के तहत खेली जा रही दो मैचों की इस सीरीज का पहला मैच पाकिस्तान ने आठ विकेट से अपने नाम किया था।

दिल्ली बुल्स बनाम अबू धाबी: बुल्स ने 49 रन से जीता मैच

अबू धाबी। दिल्ली बुल्स के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम अबू धाबी को 8.3 ओवर में आलआउट करते हुए 60 रन पर समेट दिया। जिससे बुल्स यह मैच 49 रन से जीत गया।

फाइनल में बुल्स का सामना डेक्कन ग्लैडिएटर्स से होगा, जबकि टीम अबू धाबी शनिवार को तीसरे स्थान के प्ले-ऑफ में बांग्ला टाइगर्स से भिड़ेगी। दिल्ली बुल्स ने अपने 10 ओवरों में 109/7 का जबरदस्त स्कोर दर्ज करने के बाद, टीम अबू धाबी को 8.3 ओवर में 60 रन पर आउट कर दिया, जिसमें ड्रेक्स ने अपने दो ओवरों में 13 रन देकर 4 विकेट लिए। फिलिप साल्ट और पॉल स्टर्लिंग ने टीम अबू धाबी की पारी की शुरूआत की, पहले ओवर में 23 रन बनाए। साल्ट ने पहली तीन गेंदों पर दो चौके और एक छक्का लगाया और चंद्रपॉल हेमराज की गेंद पर स्टर्लिंग ने लगातार चौके लगाए।

हालांकि, ड्रेक्स ने दूसरे ओवर में साल्ट और कप्तान लियाम लिविंगस्टोन के विकेट लिए जिससे बुल्स का दबाव क म हुआ। वहीं फारूकी ने भी बुल्स की तरफ से शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन विकेट लिए। रोमारियो शेफर्ड ने मैच को दिल्ली बुल्स के पक्ष में झुका दिया जब उन्होंने पांचवे ओवर की लगातार दो गेंदों में वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और डैनी ब्रिग्स को आउट किया। अबू धाबी 8.3 ओवर में दस विकेट खोकर 60 रन ही बना पाई जिससे यह मैच बुल्स 49 रन से जीत गया।

रिटेन खिलाड़ी में कोई शतक ठोक रहा है तो कोई शून्य का रिकॉर्ड बना रहा है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एक तरफ जहां भारत और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट मैच खेला जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ आईपीएल की तैयारी अपनी जोरों-शोरों पर है. हर टीम की अपनी प्लानिंग बन रही है. खिलाड़ियों के साथ डील चल रही है. खैर आज हम उन खिलाड़ियों की बात करेंगे, जिनको उनकी टीम ने रिटेन कर लिया है और साथ ही वो इस समय कीवी टीम के साथ टेस्ट मैच खेल रहे हैं. जानने की कोशिश करेंगे की कैसा प्रदर्शन इस समय ये खिलाड़ी कर रहे हैं. क्योंकि देखिए फॉर्मेट कोई भी हो, सबसे जरुरी है किसी भी खिलाड़ी की फॉर्म। फॉर्मेट बदलता रहता है लेकिन खिलाड़ी की फॉर्म अगर साथ होती है तो कोई भी मैच खिला दीजिए वो अपना बेस्ट ही करेगा. तो अपनी खबर को आगे बढ़ाते हैं कि न्यूजीलैंड के टेस्ट सीरीज में 5 ऐसे प्लेयर्स हैं जो आईपीएल में रिटेन हुए हैं.

विराट कोहली

सबसे पहले नंबर आता है विराट कोहली का. कोहली को RCB ने 15 करोड़ अमाउंट के साथ रिटेन किया है. इस टेस्ट सीरीज की बात करें तो पहले टेस्ट मैच में कोहली नहीं खेले थे. कल शुरू हुए दूसरे टेस्ट मैच में विराट कोहली बिना खाता खोले आउट हो गए. हालांकि कोहली गलत अंपायरिंग का शिकार हुए. लेकिन कोहली इतने बड़े खिलाड़ी हैं कि एक या दो खराब पारी से उनपर कोई फर्क नहीं पड़ता है.

सूर्य कुमार यादव

सूर्य कुमार यादव को मुंबई इंडियंस ने 8 करोड़ में अपने साथ बनाए रखा है. सूर्य मिडिल आर्डर को मजबूत करने के लिए जाने जाते हैं. हालांकि सूर्य को टेस्ट सीरीज में मौका नहीं मिला है. लेकिन टी20 सीरीज के पहले मैच में शानदार 50 लगाया था. लेकिन बाद के 2 मैच में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए थे.

मयंक अग्रवाल

मयंक अग्रवाल को पंजाब ने 12 करोड़ में रिटेन किया है. अभी टेस्ट मैच की बात करें तो पहले टेस्ट में तो मयंक कुछ खास नहीं कर सके लेकिन दूसरे टेस्ट के पहले ही दिन धमाल मचा दिया. पहले ही दिन मयंक ने शतक ठोक डाला. और अभी भी 120 रन पर नाबाद हैं. मयंक पिछले कुछ समय से शानदार प्रदर्शन दिखा रहे हैं.

रविंद्र जडेजा

सर रविंद्र जडेजा इस रिटेन लिस्ट में सबसे चर्चित नाम रहे. वो इसलिए क्योंकि इन्हे CSK की टीम ने धोनी से ज्यादा 16 करोड़ में रिटेन किया है. जिससे एक बात भी साफ़ होती नजर आ रही है कि आने वाले कुछ सालों में जड्डू आईपीएल की शानदार टीम में से एक ष्टस्य को लीड करते हुए नजर आ सकते हैं. प्रदर्शन की बात करें तो जडेजा ने इस सीरीज में बल्ले और गेंद दोनों से ही कमाल किया है. पहले टेस्ट मैच में जहां शानदार 50

लगाया और फिर गेंद से 5 विकेट भी अपने नाम किए. हालांकि चोट की वजह से जडेजा दूसरा मैच नहीं खेल रहे हैं.

मोहम्मद सिराज

सिराज को RCB ने 7 करोड़ के प्राइस में अपने साथ रखा है. सिराज को अभी इस टेस्ट सीरीज में मौका नहीं मिला है. लेकिन उन्होंने टी20 सीरीज में मैच खेला था पर कुछ खास कमाल नहीं कर सके थे. सिराज अपनी शानदार बोलिंग के लिए जाने जाते हैं. जो भारत की पिच पर गेंद को हवा में हिलाते हैं.

क्योंकि हर बच्चा अलग है

बच्चों को लेकर माता-पिता का फिक्र करना स्वाभाविक है, पर इस बात को लेकर बहुत अधिक परेशान होना भी ठीक नहीं है। माना कि बच्चों की परवरिश बड़ी जिम्मेदारी है और आप इस कसौटी पर खरा उतरना चाहती हैं, पर बहुत अधिक फिक्र और बात-बात में टोकने की आदत बच्चों को आपसे दूर कर सकती है, इसलिए इस मामले में बहुत अधिक कॉन्शस होने के बजाय कुछ बातों का खास ध्यान रखें

याद रखें, अगर कोई तरीका आपकी दोस्त के बच्चों की परवरिश में कारगर साबित हुआ है तो इसका यह अर्थ नहीं कि आपके बच्चे के मामले में भी वह सही ही साबित होगा। माता-पिता हमेशा कहते हैं कि हमारा बच्चा दूसरे बच्चों से अलग है। जब ऐसा है तो जाहिर है कि उसकी परवरिश में वे नियम लागू नहीं हो सकते, जो दूसरे अभिभावक अपने बच्चों के साथ अपनाते हैं, इसलिए बच्चों की परवरिश के मामले में किसी की नकल करने से पहले उसके सभी सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के बारे में भली प्रकार से सोच-विचार कर लें। इसके बाद अपनी जरूरत के हिसाब से फैसला करें।

सही बात पर हो फोकस

हम सभी जिंदगी में छोटी-छो टी बातों को लेकर परेशान होते हैं, पर इस चक्कर में उन बातों को भूल जाते हैं जिन पर वास्तव में ध्यान दे ना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर बच्चों को लगातार टोकते रहना ठीक नहीं। बच्चों से थोड़ी- बहुत गलतियां होना स्वाभाविक है। उदाहरण के लिए, सामान को करीने से रखने के बजाय वे उसे इधर- उधर रख देते हैं। हो सकता है कि आप उनसे कोई काम करने को कहें और वे उसे पूरा करने के चक्कर में काम औ र बढ़ा दें। इसके लिए उन्हें बुरी तरह डांटना ठीक नहीं है। इससे कोई फायदा होने वाला नहीं है। उत्तेजित होने से काम नहीं चलेगा, धैर्य रखते हुए बच्चों को अनुशासन सिखाएं। उन्हें बतायें कि किसी काम को करने का सही तरीका क्या है।

अनावश्यक बोझ ठीक नहीं

आप चाहेंगी कि आपका बच्चा सबसे काबिल बने, पर इसकी खातिर उस पर किसी काम का अनावश्यक बोझ लादना ठीक नहीं। विशेषज्ञ कहते हैं कि बच्चों को एक्टिव रखने के लिए उन्हें विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रखना जरूरी है। कई बार इस चक्कर में अभिभावक बच्चों पर जरूरत से ज्यादा बोझ लाद देते हैं। एक मां होने के नाते आपको मालूम होना चाहिए कि बच्चे की क्षमताएं क्या हैं। उसके अनुरूप ही बच्चे के लिए हॉबी क्लासेज या ट्यूशन आदि निर्धारित करें।

जासूसी करना ठीक नहीं

बच्चों की हर बात को अविास की नजर से देखना ठीक नहीं है। कुछ मां-बाप की यह आदत होती है कि वे बच्चों की बातों पर आसानी से विास नहीं करते। बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना और उनकी जासूसी करने में अंतर है। असंगत बातों को लेकर परेशान होने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगायें। अभिभावक होने के नाते बच्चों को सही-गलत की जानकारी देना आपका फर्ज है, लेकिन उनकी हर बात पर संदेह करना और उनकी जासूसी करना गलत है। अपनी परवरिश पर भरो सा करें। आपको इस बात का यकीन होना चाहिए कि आपने बच्चे को सही-गलत का फर्क भली-भांति समझाया गया है और वे सही फैसला लेने के काबिल हैं।

अपनी अपेक्षाओं पर लगाम कसें

अक्सर मां-बाप बच्चों से कुछ ज्यादा अपेक्षाएं करने लगते हैं, इससे बच्चे तनाव में आ जाते हैं और उनका स्वाभाविक विकास प्रभावित होता है। अगर किसी मामले में बच्चा निर्धारित लक्ष्य पूरा नहीं कर पाता तो वह बात उसे परेशान करती रहती है। बच्चे के सामने ऊंचे मानक रखकर उसे तनाव में डालने की गलती न करें। इसके बजाय अच्छे प्रदर्शन के लिए उसे प्रेरित करने और उसका उत्साह बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। उससे हमेशा यह कहें कि कोशिश करने पर सफलता मिलती ही है। ये बातें भले ही छोटी और सामान्य लगें, पर इनका असर सचमुच बड़ा है।

दुष्टों की एकता

एक वन में मदोत्कट नामक एक सिंह रहता था, उसके तीन सेवक थे-बाघ, गीदड़ और कौवा। एक दिन सिंह ने एक ऊंट को देखा, वह अपने काफिले से बिछुड़ गया था। सिंह ने अपने सेवकों को आदेश दिया कि वे यह पता लगाएं कि यह कौन सा जानवर है और जंगली है या पालतू।

कुछ देर बाद कौवे ने बताया, यह गांव में रहने वाला एक पशु है, इसका नाम ऊंट है। यह आपका भोजन है, आप इसे मार डालिए। सिंह ने कहा, यह हमारा अतिथि है। इसे मारना उचित नहीं है। तुम इसे आदर के साथ मेरे पास ले आओ।

कौवा ऊंट को ले आया। ऊंट ने सिंह को प्रणाम किया और अपने साथियों से बिछुड़ने का किस्सा सुनाया। ऊंट की दर्द भरी कहानी सुनकर सिंह को दया आ गई। उसने अपने जंगल में ऊंट को घूमने और घास खाने की इजाजत दे दी।

सिंह की यह उदारता बाघ, गीदड़ और कौवे को अच्छी नहीं लगी, लेकिन वे विवश थे, इसलिए चुप रहे और उपयुक्त अवसर का इंतजार करने लगे।

एक दिन सिंह मदमस्त हाथी से भिड़कर घायल हो गया। उसके लिए चलना फिरना भी मुश्किल हो गया था, फिर वह शिकार कैसे करता। इसलिए भूखों मरने की नौबत आ गई। सिंह ने बातों ही बातों में अपने सेवकों से ऐसे प्राणी की खोज करने के लिए कहा, जिसे आसानी से मारकर अपनी भूख मिटाई जा सके।

सिंह के आदेश पर बाघ, गीदड़, कौवा और ऊंट शिकार की तलाश में निकल गए, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में कौवे और गीदड़ ने मिलकर ऊंट को ही शिकार बनाने की योजना बनाई, लेकिन समस्या यह थी कि सिंह से यह बात किस प्रकार मनवाई जाए। फिर भी दोनों ने सिंह के सामने यह प्रस्ताव रख ही दिया।

प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं। स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आपको कोई आपि ा नहीं होनी चाहिए, गीदड़ ने विनम्रतापूर्वक कहा।

जो तुम्हारी इच्छा हो वही करो। सिंह ने लाचारी से कहा।

इसके बाद गीदड़, कौवा और बाघ तीनों ऊंट के पास पहुंचे और बोले, मित्र! हमारे स्वामी की तबीयत खराब है। यह तो आप जानते ही हैं कि हम लोग सारा दिन भटकने के बाद भी उनके लिए शिकार नहीं जुटा पाए हैं। भूख के कारण स्वामी के प्राण निकले जा रहे हैं। ऐसे समय में अपने प्राण त्याग कर स्वामी के प्राणों की रक्षा करना सेवक का धर्म है। क्यों न हम लोग इस धर्म का पालन करें।

इस प्रकार ऊंट को झांसा देकर तीनों धूर्त ऊंट को सिंह के पास ले आए और ऊंट के साथ सिंह को प्रणाम करके बैठ गए।

सिंह ने पूछा, या तुम लोग मेरे खाने का कोई इंतजाम कर सके? मुझे बहुत तेज भूख लग रही है।

कौवा बोला, महाराज! दिनभर भटकने के बाद भी हमें कोई शिकार नहीं मिला, इसलिए आप मुझे खाकर ही अपनी भूख मिटा लीजिए। तभी गीदड़ बोला, तुझे खाकर स्वामी की भूख या मिटेगी। फिर सिंह की ओर देखते हुए गीदड़ ने कहा, महाराज! आप मुझे खाकर अपनी भूख मिटा सकते हैं। अब गीदड़ को पीछे धकेलता हुआ बाघ आगे आया और बोला, महराज! मेरी विनती है कि आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत कीजिए। इससे आपका ही नहीं मेरा भी कल्याण होगा।

तीनों की यह स्वामिभक्ति देखकर ऊंट ने सोचा कि क्यों न मैं भी अपनी स्वामिभति का परिचय दूं। फिर वह सिंह से बोला, स्वामी! आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत करें, क्योंकि ये तीनों तो आपके खाने के लायक नहीं है।

ऊंट का यह कहना था कि सिंह की आज्ञा पर गीदड़ और बाघ ने मिलकर उस का पेट फाड़ डाला। फिर चारों ने मिलकर भरपेट भोजन किया।

शिक्षा: धूर्तों के लिए आत्म बलिदान का कोई महत्व नहीं है।

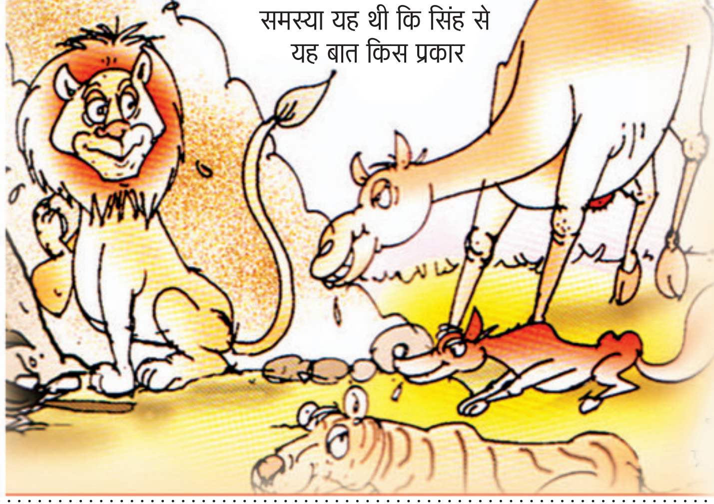

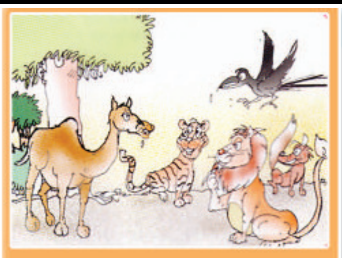

ऊंट को भोजन बनाने का प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं। स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आप को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए...

बिंदु मिलाकर चित्र बनाओ

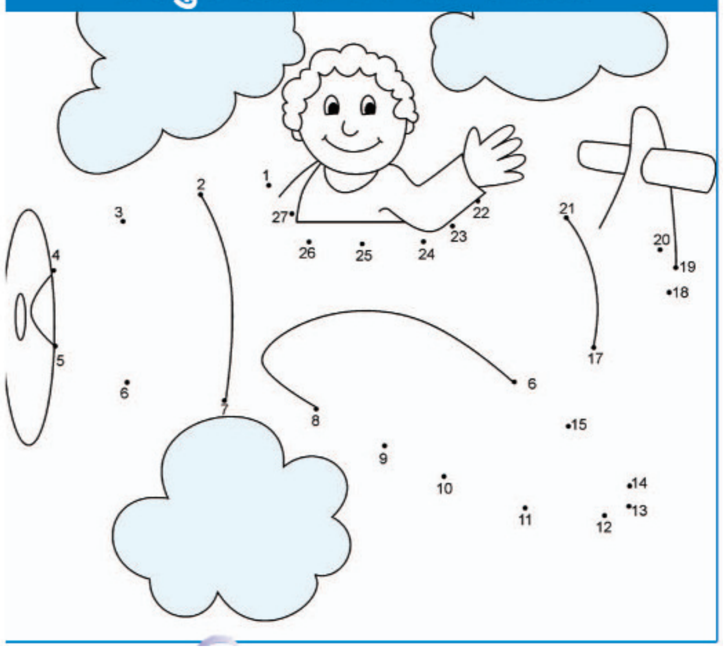

अंतर ढूंढो

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी -रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार की घोषणा सुनी तो अपना भाग्य आजमाने की सोची

कहानी

क्रोनोमीटर की

क्रोनोमीटर समुद्र में चलने वाले जहाजों को दिशा के बारे में जानकारी देने वाला एक यंत्र है। समुद्री जहाजों के लिए क्रोनोमीटर बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर समुद्री यात्रा के समय दिशा का ज्ञान न हो तो जहाज भटक सकते हैं। क्रोनोमीटर का आविष्कार हो जाने से अब समुद्री जहाजों के लिए यात्रा में दिशा- भ्रम की समस्या नहीं रहती है।

आज से लगभग तीन सौ साल पहले समुद्री जहाजों के सामने प्रमुख समस्या समुद्र में स्थान जानने की रहा करती थी। तब यात्रा के दौरान दिशा-ज्ञान के अभाव में अधिकतर जहाज रास्ते में ही भटक जाते थे, उनमें से कुछ तो तूफान में फंसकर नष्ट भी हो जाया करते थे। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव ब्रिटिश नौसेना पर पड़ता था, क्योंकि सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दी में ब्रिटिश नौसेना विश्व में सबसे बड़ी थी।

ब्रिटिश सरकार ने समुद्री यात्रा में दिशा-भ्रम की समस्या के निदान हेतु कई असफल उपाय किये। अंत में, ब्रिटिश सरकार ने सारे संसार में यह घोषणा की कि जो कोई भी ऐसे यंत्र का आविष्कार करेगा, जिससे जहाजों को समुद्र में दिशा और स्थान का सही-सही ज्ञान हो सके, तो उसे बीस हजार पौंड का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इतनी बड़ी धनराशि के पुरस्कार की घोषणा से न केवल, इंग्लैंड, बल्कि संपूर्ण यूरोप में हलचल सी मच गई, क्योंकि इससे पहले इतनी बड़ी पुरस्कार राशि की घोषणा कभी नहीं हुई थी।

बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि सुनकर इसकी प्राप्ति हेतु अनेक व्यक्तियों ने समुद्र में जहाजों को दिशा और स्थान का ज्ञान कराने वाले यंत्र के निर्माण का भरसक प्रयास किया, किन्तु उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में, उत्तरी इंग्लैंड के निवासी जॉन हैरिसन को इसमें सफलता मिली और उसने एक ऐसे यंत्र का आविष्कार किया, जिससे समुद्री यात्रा के समय जहाज चालकों को दिशा का सही ज्ञान हो सके। जॉन हैरिसन द्वारा बनाये गये इस यंत्र को ही 'क्रोनोमीटर' कहा जाता है । क्रोनोमीटर के जन्म की कहानी भी अत्यंत रोचक है।

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी-रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार दिये जाने की घोषणा सुनी तो उसने अपना भाग्य आजमाने की सोची। उसे पता था कि भूगोलवेत्ताओं ने पृथ्वी पर कुछ काल्पनिक रेखाएं मान रखी हैं। इन रेखाओं में जो पृथ्वी के चारों ओर छल्ले की तरह जाती हैं, उन्हें 'अक्षांश' कहते हैं तथा जो उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तकखिंची मानी गई हैं, उन्हें देशांतर कहते हैं। इन दोनों प्रकार की रेखाओं द्वारा नाविकों को समुद्री यात्रा में अपनी स्थिति का सही-सही ज्ञान हो सकता था, बशत्रे कि उन्हें बंदरगाह से चलने के बाद से लगातार ठीक-ठीक समय मालूम हो। हालांकि घड़ियों से भी सही समय को जाना जा सकता था और उस समय घड़ियों का आविष्कार भी हो चुका था। परंतु घड़ियां समुद्री यात्रा के समय काम नहीं करती थीं, क्योंकि किसी घड़ी पर तापमान का असर होता था, तो किसी पर आर्द्रता का। समुद्री हवाओं के कारण घड़ियों के कलपुर्जे भी गल जाते थे।

जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बनाने की ओर अपना पूरा ध्यान केन्द्रित किया जिस पर न तो तापमान का असर हो, न समुद्र की नमकीन और नम हवा की आर्द्रता का। हालांकि आरंभ में उसे अपने कई प्रयासों में असफल भी होना पड़ा। परन्तु उसने हिम्मत न हारी। वह लगातार प्रयास करता रहा। अंत में उसने एक ऐसा पेंडुलम बनाया, जिसकी सहायता से घड़ियों के गर्मियों में तेज चलने के दोष को ठीक किया जा सकता था। इस प्रकार का पेंडुलम बनाने के बाद उसने ऐसी घड़ी भी बनाई, परंतु उस घड़ी में वह गुणवत्ता नहीं आई, जिसके लिए वह प्रयत्नशील था। तब भी उसने हिम्मत नहीं हारी और इस दिशा में और सुधार करने के अपने प्रयास को जारी रखा।

अंततः जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बना ही ली, जो पूर्ण रूप से समुद्री यात्रा के लिए उपयुक्त थी। तापमान, आर्द्रता एवं समुद्री हवाओं का इस घड़ी पर कोई असर नहीं होता था। इस घड़ी से नाविक बंदरगाह से चलते समय हिसाब से अक्षांश और देशांतर रेखाओं की गणना कर समुद्र में अपनी स्थिति का पता लगा लेते थे। जॉन हैरिसन द्वारा आविष्कृत रोचक इस घड़ी को ब्रिटिश सरकार ने भी स्वीकार कर लिया, जिससे वह ब्रिटिश सरकार द्वारा घोषित बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि पाने का हकदार हो गया।

नामीबिया

बेहद निष्ठुर लेकिन वन्य जीव से समृद्ध

पिछले 15 वर्षों से चीता मैन के नाम से चर्चित ओलिवर हॉलेट अफ्रीका में सबसे बड़ी बिल्ली के साथ नामीबिया में रह रहे हैं। आजकल ओलिवर, पूर्ण स्वच्छंदता के साथ वास करने वाले अंतिम बचे जानवरों की तलाश कर रहे हैं

नामिब मरुस्थल में उन्मुक्त जंगली जानवरों और पौधों की ढेर सारी असमान्य प्रजातियां पायी जाती हैं। हालांकि यह मरुस्थल में व्यापक तौर पर निर्जन है, लेकिन जानवरों ने क्षेत्र की विशिष्ट जलवायु के अनुकूल खुद को ढाल लिया है।

नामिब मरुस्थल एक तटीय रेगिस्तान है, जो संभवतः दुनिया का सबसे पुराना मरुस्थल है। मरुभूमि की रेत ने यहां समुद्र तटों के किनारे कई बड़े बालू के टीलों का निर्माण किया है। यह उन कुछ गिने-चुने मरुस्थलों में से एक है, जो बड़े जानवरों की कई प्रजातियों का परिवास है -

यहां तक कि हाथी भी यहां वास करते हैं। करीब 130 मिलियन साल पुराना नामिब दुनिया का जाना-माना और सबसे प्राचीन मरुस्थल होने के साथ ही साथ यह सबसे खूबसूरत मरुस्थलों में से एक है। इस मरुस्थल की लंबाई 1200 मील है लेकिन चौड़ाई में यह औसतन महज 70 मील तक ही फैला है। यहां दुनिया के सबसे ऊंचे रेत के टीले पाए जाते हैं। यह नारंगी रंगों की रेत की अनंत और अलग परिदृश्य वाली एक पट्टी की तरह नजर आता है और इसके दूर तक फैले खुले तटों के किनारे चमकीले सफेद नमक की परत से लेकर जहाजों के भग्नावशेष बिखरे पड़े हैं। नामिब-नाउक्लुफ्ट नेशनल पार्क नामिब मरुस्थल के काफी बड़े हिस्से में फैला हुआ है। यह अफ्रीका का सबसे बड़ा और दुनिया के सबसे बड़े गेम रिजर्व में से एक है, जो मरुस्थलीय शेरों और विलुप्तप्राय नामिब हाथियों को प्राकृतिक परिवास भी है।

विशेषतौर पर अपने शुष्क वातावरण के अनुकूलित, ये विशालकाय जानवर पानी के लिए खुदाई कर सकते हैं और अपने घुटनों के बल रेत के टीलों पर भी चढ़ सकते हैं। वन्यजीवों के साथ ही इस मरुस्थल में आदिम जनजातियां, जैसे- हिंबा भी गर्व से रहते हैं। इनके लिए अपना पहनावा, केश-सज्जा (हेयरस्टाइल) और आभूषण का विशिष्ट सांस्कृतिक महत्व होता है। हिंबा महिलाएं रोज सुबह घंटों सजने-संवरने में व्यतीत करती हैं। माना जाता है कि ये जनजातियां बदलाव का विरोध करती हैं और आधुनिक रहन-सहन के दौर में भी अपनी अनोखी सांस्कृतिक विरासत को बचाए रख रही हैं।

हाथियों ने इस क्षेत्र की विपरीत परिस्थितियों के अनुकूल खुद को बेहतर तरीके से ढाल लिया है। पानी वाली जगह से भोजन की तलाश में यह 70 किलोमीटर तक की यात्रा कर सकते हैं और कई किलोमीटर दूर से ही पानी की मौजूदगी को सूंघने में सक्षम हैं जबकि चार दिनों तक बिना पानी पिए वे रह सकते हैं। यह देश दक्षिणी अफ्रीकी चीता का सबसे आबादी वाला इलाका है और नेशनल पाकरे में वह शामिल नहीं है। यहां हिरण की 12 से ज्यादा प्रजातियां हैं, जिनमें सबसे बड़े इलैंड (दक्षिणी अफ्रीका का सबसे बड़ा मृग) से लेकर सबसे छोटा डमाराडिक-डिक शामिल हैं। नामीबिया में बहुतायत में छोटे स्तनधारी भी रहते हैं, जिनमें नेवले, सियार के साथ बहुत कम पाए जाने वाले चींटीखोर भालू (आंट-बीयर), बिज्जू भी पाए जाते हैं, जो एकांत और उभरचर दोनों हैं। वन्यजीव रोमांचकारी यात्री ओलिवर हॉलेट के साथ नामिबिया में उन्मुक्त जानवरों की तलाश में शामिल हों।

सार समाचार

अमेरिका की खुफिया जानकारी में पता चला, रूस यूक्रेन पर सैन्य हमला करने की तैयारी में है

वाशिंगटन। अमेरिका के खुफिया अधिकारियों ने यह पता लगाया है कि रूस यूक्रेन के खिलाफ संभावित सैन्य हमले की तैयारी कर रहा है और यह 2022 की शुरुआत में हो सकता है तथा इसमें करीब 1,75,000 कर्मियों के शामिल होने की आशंका है। प्रशासन के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन नीत प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि नई खुफिया जानकारी में यह अनुमान लगाया गया है कि आधे से ज्यादा रूसी कर्मियों को पहले ही यूक्रेन की सीमा के निकट विभिन्न बिंदुओं पर तैनात किया गया है।

अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर पर यह जानकारी दी है। यह जानकारी ऐसे समय में आई है जब रूस ने बाइडन से इस बात की गारंटी देने की मांग उठाई है कि यूक्रेन को नाटो गठबंधन में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अधिकारी ने बताया कि रूस की योजना में सामरिक समूहों के 100 बटालियनों की तैनाती की बात है। इसके साथ आयुध और उपकरण शामिल हैं। इस खुफिया जानकारी की खबर सबसे पहले द वाशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित हुई है। इससे पहले शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूस द्वारा यूक्रेन में सैन्य हमले को 'बेहद, बेहद कठिन' बना देने का संकल्प लिया और कहा कि उनका प्रशासन रूस की आक्रमकता को रोकने के लिए कदम उठाएगा। यूक्रेन के रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव ने शुक्रवार को सांसदों को बताया कि यूक्रेन के पास और रूस द्वारा हड़पे गए हिस्सेक्रीमिया में रूसी सैनियों की संख्या 94,300 होने का अनुमान है और ऐसी आशंका है कि रूस अगले महीने हमला कर सकता है।

दक्षिण अफ्रीका में पांच साल से कम उम्र के बच्चों में बढ़ रहे संक्रमण के मामले

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में विशेषज्ञों ने बच्चों में कोविड-19 के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई है। देश में शुक्रवार रात तक संक्रमण के 16,055 नए मामले सामने आ चुके थे और 25 संक्रमितों की मौत हो चुकी थी। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कम्युनिकेबल डीसीज (एनआईसीडी) की डॉ वसीला जसत ने कहा, ''हमने देखा कि पहले बच्चे कोविड महामारी से इतने प्रभावित नहीं हुए, बच्चों को अस्पतालों में भर्ती करने की जरूरत भी ज्यादातर नहीं पड़ी।'' उन्होंने कहा, ''महामारी की तीसरी लहर में पांच साल से कम उम्र के अधिक बच्चे अस्पताल में भर्ती करवाए गए, 15 से 19 वर्ष की आयु के किशारों को भी अस्पतालों में भर्ती करवाना पड़ा।'' जसत ने कहा, ''अब चौथी लहर की शुरुआत में सभी आयुवर्गों में मामले तेजी से बढ़े हैं लेकिन पांच साल से कम उम्र के बच्चों में विशेष तौर पर मामले बढ़े।'' उन्होंने कहा, ''हालांकि, संक्रमण के मामले अब भी बच्चों में ही सबसे कम हैं। सर्वाधिक मामले 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में हैं और उसके बाद सबसे अधिक मामले पांच साल से कम उम्र के बच्चों में हैं। पांच से कम उम्र के बच्चों को अस्पतालों में भर्ती करने के मामले बढ़े हैं जबकि पहले ऐसा नहीं था।'' एनआईसीडी के डॉ माइकल ग्रूम ने कहा, ''मामले बढ़ने को लेकर तैयारी के महत्व पर विशेष जोर की जरूरत है जिसमें बच्चों के लिए बिस्तर और कर्मचारियों को बढ़ाया जाए।'' स्वास्थ्य मंत्री जो फाहला ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के नौ प्रांतों में से सात में संक्रमण के मामले और संक्रमण की दर बढ़ रही है।

काबुल में धमाका, किसी के हताहत होने की खबर नहीं

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के पुलिस जिले-4 में शनिवार को एक बम विस्फोट हो गया। हालांकि अभी इसमें किसी के हताहत होने की कोई खबर सामने नहीं आई है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता कारी सैयद खोस्ती ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि धमाके में किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है। प्रवक्ता ने बताया कि यह विस्फोट पुलिस जिला चार के तैमानी इलाके में हुआ, लेकिन इससे किसी की जान या संपत्ति का नुकसान नहीं हुआ। प्रवक्ता ने बताया कि विस्फोटक उपकरण को सड़क के किनारे एक फूलदान में रखा गया था। काबुल में 30 नवंबर के बाद यह तीसरा धमाका है।

ट्यूनीशिया में ओमिक्रॉन वेरिएंट के पहले मामले की पुष्टि

ट्यूनिस। ट्यूनीशिया के स्वास्थ्य मंत्री अली म्राबेट ने शुक्रवार को कहा कि उप-सहारा अफ्रीकी देश के एक 23 वर्षीय व्यक्ति की पुष्टि ट्यूनीशिया में ओमिक्रॉन कोविड-19 वेरिएंट के पहले मामले के रूप में हुई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के केंद्रीय टेलीविजन अल-वतनिया पर दिए गए एक बयान में म्राबेट ने कहा कि यह व्यक्ति तुर्की के इस्तांबुल से ट्यूनिस-कार्थेज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा था। अधिकारी के अनुसार, हवाई अड्डे पर पॉजिटिव पाए जाने के बाद, व्यक्ति को एक स्थानीय होटल में भेजा गया, जहां उसे अनिवार्य क्वारंटीन किया जाएगा।

यूरोपीय संघ के मंत्रियों ने नए साइबर सुरक्षा निर्देश को मंजूरी दी

ब्रसेल्स। स्लोवेनियाई लोक प्रशासन मंत्री बोस्टन कोरिटनिक ने कहा है कि यूरोपीय संघ (ईयू) के दूरसंचार मंत्रियों ने एक नए निर्देश सहित पूरे ब्लॉक में साइबर सुरक्षा के एक उच्च सामान्य स्तर के उपायों को मंजूरी दी है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को मंत्रियों की एक बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, कोरिटनिक ने कहा कि प्रस्ताव का उद्देश्य सार्वजनिक और निजी क्षेत्र और यूरोपीय संघ दोनों की लचीलापन और घटना की प्रतिक्रिया क्षमता में और सुधार करना है। एक बार अपनाए जाने के बाद, एनआईएस 2 नामक साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से नया निर्देश, नेटवर्क और सूचना प्रणाली की सुरक्षा पर मौजूदा नियमों की जगह लेगा। कोरिटनिक ने एक बयान में कहा, नया एनआईएस निर्देश हमारी तेजी से डिजिटल होती दुनिया में साइबर सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जहां साइबर खतरों का समाज, अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र पर अभूतपूर्व प्रभाव पड़ सकता है।

वाशिंगटन में पाकिस्तान दूतावास में वेतन देने के लिए धन की कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वाशिंगटन में पाकिस्तान दूतावास के पास अपने कुछ कर्मचारियों को कम से कम चार महीने के वेतन का भुगतान करने के लिए धन की कमी हो गई थी, हालांकि पाकिस्तानी राजदूत की सक्रिय भागीदारी ने उन्हें बचा लिया। द न्यूज की रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई।

पाकिस्तानी दूतावास के स्थानीय रूप से भर्ती किए गए संविदा कर्मचारियों में से कम से कम पांच को अगस्त 2021 से अपने मासिक वेतन के भुगतान में देरी और गैर-भुगतान का सामना करना पड़ा।रिपोर्ट में कहा गया है कि पांच प्रभावितों में से एक कर्मचारी, जो पिछले दस वर्षों से दूतावास में काम कर रहा था, उन्होंने देरी और भुगतान न होने के कारण सितंबर में इस्तीफा दे दिया। इन अवैतनिक स्थानीय कर्मचारियों को दूतावास द्वारा वार्षिक अनुबंध के आधार पर काम पर रखा गया था और मिशन के लिए बेयर-मिनिमम सैलेरी पर काम किया था, जो प्रति व्यक्ति प्रति माह 2,000 से 2,500 डॉलर तक होता है।

स्थानीय कर्मचारियों, चाहे स्थायी हों या संविदात्मक, को स्वास्थ्य लाभ सहित विदेश कार्यालय के कर्मचारियों को मिलने वाले भत्ते और विशेषाधिकार नहीं मिलते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू कर्मचारियों को आमतौर पर कॉन्सुलर सेक्शन की मदद के लिए काम पर रखा जाता है, जो प्रवासी भारतीयों को वीजा, पासपोर्ट, नोटराइजेशन और अन्य कॉन्सुलर सेवाएं प्रदान करता है। सूत्रों ने कहा कि ऐसे कर्मचारियों को पाकिस्तान कम्युनिटी वेलफेयर (पीसीडब्ल्यू) फंड से भुगतान किया जाता है, जो स्थानीय रूप से सेवा शुल्क के माध्यम से उत्पन्न होता है और फिर स्थानीय रूप से भी वितरित किया जाता है। स्थिति से परिचित सूत्रों का कहना है कि पीसीडब्ल्यू फंड पिछले साल ध्वस्त हो गया क्योंकि कोविड-19 महामारी के बाद वेंटिलेटर और अन्य चिकित्सा उपकरण खरीदने के लिए पैसे का इस्तेमाल किया गया था।

अफगान सुरक्षा बलों ने पंजशीर प्रांत से जब्त किए हथियार

काबुल। अफगान सुरक्षा बलों ने पूर्वी पंजशीर प्रांत से कई तरह के हथियारों की खोज की है और उन्हें जब्त किया है। सरकारी समाचार एजेंसी बख्तर ने शनिवार को इसकी जानकारी दी है। बयान में कहा गया, अफगानिस्तान के इस्लामिक अमीरात के सुरक्षा बलों ने कई सैन्य अभियानों के दौरान पंजशीर प्रांत के अबशर जिले में विभिन्न प्रकार के हथियारों के 74 राउंड एकत्र किए हैं। बख्तर सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि जब्त किए गए हथियारों को संबंधित विभागों को सौंप दिया गया है। काबुल से 200 किमी उत्तर पंजशीर ने अगस्त के मध्य में तालिबान को अफगानिस्तान पर कब्जे के दौरान चुनौती देने की कोशिश की थी। हालांकि तालिबान के नेतृत्व वाली कार्यवाहक सरकार ने सितंबर में पंजशीर पर कब्जा कर लिया था।

'ईशनिंदा' को लेकर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भीड़ ने श्रीलंका के नागरिक की पीट-पीटकर हत्या की

लाहौर। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भीड़ ने शुक्रवार को श्रीलंका के एक नागरिक की कथित तौर पर ईशनिंदा के आरोप में पीट-पीटकर हत्या कर दी और फिर उसके शव को जला दिया। पंजाब पुलिस के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यहां से करीब सौ किलोमीटर दूर सियालकोट जिले की एक कपड़ा फैक्टरी में प्रियंता कुमारा महाप्रबंधक के तौर पर काम करते थे। अधिकारी ने बताया, ''कुमारा ने कट्टरपंथी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के एक पोस्टर को कथित तौर पर फाड़ दिया था जिसमें कुरान की आयतें लिखी थीं और फिर उसे कचरे के डिब्बे में फेंक दिया। इस्लामी पार्टी का पोस्टर कुमारा के कार्यालय के पास की दीवार पर चिपकाया गया था।

फैक्टरी के कुछ कर्मियों ने उन्हें पोस्टर हटाते हुए देखा और फैक्टरी में यह बात बताई।'' ''ईशनिंदा'' की घटना को लेकर आसपास के सैकड़ों लोग फैक्टरी के बाहर इकट्ठा होने लगे। उनमें से अधिकतर टीएलपी के कार्यकर्ता एवं समर्थक थे। अधिकारी ने बताया, ''भीड़ ने संदिग्ध (श्रीलंकाई नागरिक) को फैक्टरी से बाहर खींचा और उससे बुरी तरह मारपीट की। मारपीट के बाद जब उसकी मौत हो गई तो भीड़ ने पुलिस के पहुंचने से पहले उसके शव को जला दिया।'' सोशल मीडिया पर कई वीडियो जारी हुए जिसमें दिख रहा है कि श्रीलंकाई नागरिक के शव को घेरे सैकड़ों लोग खड़े हैं। वे टीएलपी के समर्थन में नारे लगा रहे थे। इमरान खान की सरकार ने हाल में टीएलपी के साथ गुप्त समझौता करने के बाद इस कट्टरपंथी संगठन से प्रतिबंध हटा लिया था। समझौते के बाद संगठन के प्रमुख साद रिजवी और 1500 से अधिक कार्यकर्ताओं को जेल से रिहा कर दिया गया जो आतंकवाद के आरोपों में बंद थे। शुक्रवार देर शाम, पंजाब पुलिस ने कहा कि उन्होंने वीडियो फुटेज के जरिये 100 संदिग्धों की पहचान करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

पंजाब के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) राव सरदार अली खान ने एक बयान में कहा, 'हमने श्रीलंकाई नागरिक की हत्या में कथित रूप से शामिल 100 संदिग्धों को आतंकवाद और अन्य आरोपों के तहत गिरफ्तार किया है।' उन्होंने कहा, 'और गिरफ्तारियां की जा रही हैं और इस घटना में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।' सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री फारुख हबीब ने एक ट्वीट में कहा, ÷हम जांच कर रहे हैं। फरहान इदरीस नाम के मुख्य अपराधी को गिरफ्तार कर लिया गया है। 100 अन्य हिरासत में हैं।÷ इस घटना की सभी वर्गों ने व्यापक निंदा की है। प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक ट्वीट में कहा, सियालकोट में एक फैक्टरी पर भीषण हमला और श्रीलंकाई प्रबंधक को जिंदा जलाना पाकिस्तान के लिए शर्म का दिन है। मैं जांच की निगरानी कर रहा हूं और सभी जिम्मेदार लोगों को कानून के तहत सख्त सज़ा दी जाएगी। गिरफ्तारियां जारी हैं। इस बीच, पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने ट्वीट किया, 'सियालकोट की घटना निश्चित रूप से बहुत दुखद और शर्मनाक है, और किसी भी तरह से धार्मिक नहीं है।' कोलंबो में, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सुगेश्वर गुणरत्ने ने बताया कि इस्लामाबाद में उनका दूतावास पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ घटना के विवरण की पुष्टि कर रहा है। उन्होंने कहा कि श्रीलंका को उम्मीद है कि पाकिस्तान के अधिकारी जांच और न्याय सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे। धार्मिक सौहार्द पर प्रधानमंत्री खान के विशेष प्रतिनिधि मौलाना ताहिर अशरफी ने कहा कि ईशनिंदा के आरोप में फैक्टरी प्रबंधक की हत्या ''दुखद'' एवं ''निंदनीय'' है।

यूक्रेन पर हमले को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पुतिन को दी चेतावनी

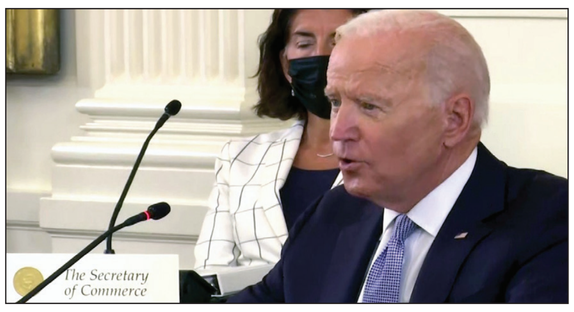

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए यूक्रेन में सैन्य कार्रवाई को बेहद कठिन बनाने का शुक्रवार को संकल्प लिया और कहा कि उनका प्रशासन रूस के आक्रमण को रोकने के लिए व्यापक कदम उठा रहा है। बाइडन ने यूक्रेन सीमा पर रूस द्वारा सैनिकों की तैनाती बढ़ाने को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच ये चेतावनी दी।

बाइडन ने पत्रकारों से कहा कि वह व्यापक और सार्थक कदम उठा रहे हैं जिससे पुतिन के लिए आगे बढ़ना और वह करना बहुत बहुत मुश्किल हो जाएगा जिसे लेकर लोग चिंतित हैं। इस तरह के संकेत भी हैं कि व्हाइट हाउस और क्रेमलिन अगले हफ्ते बाइडन और पुतिन के बीच बातचीत कराने की व्यवस्था कर रहे हैं। पुतिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशकोव ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा कि आगामी दिनों में पुतिन-बाइडन की बातचीत कराने की व्यवस्था की गई है लेकिन तारीख का ऐलान तब किया जाएगा जब मॉस्को और वाशिंगटन विवरण को अंतिम रूप दे देंगे। रूस ने कहा कि तारीख तय हो गई है लेकिन इसकी घोषणा करने से इनकार कर दिया है।

अमेरिका का तथाकथित समिट फॉर डेमोक्रेसी दुनिया का करेगा ध्रुवीकरण

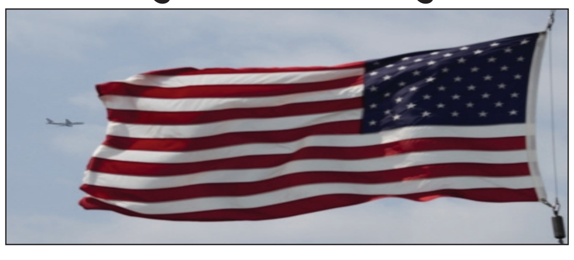

इस्लामाबाद (एजेंसी।

अमेरिका के नेतृत्व में तथाकथित समिट फॉर डेमोक्रेसी (लोकतंत्र के लिए शिखर सम्मेलन) लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है और यह दुनिया का और ध्रुवीकरण करेगा, जिसके परिणामस्वरूप नए गुटों का उदय होगा।

पाकिस्तानी अखबार द न्यूज इंटरनेशनल ने गुरुवार को अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही। लोकतंत्र शिखर सम्मेलन, अलोकतांत्रिक प्रथा शीर्षक वाले लेख में कहा गया है, यह एक बुरा संकेत है, क्योंकि दुनिया को महामारी, जलवायु परिवर्तन, खाद्य असुरक्षा, पानी और ऊर्जा के मुद्दों से निपटने के लिए सहयोग और संयुक्त प्रयासों की सख्त जरूरत है।

समाचार एजेंसी ने लेख के हवाले से बताया कि अमेरिका ने केवल सीमित संख्या में देशों और समुदायों को शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया है और अन्य प्रणालियों और देशों के बहिष्कार से पता चलता है कि वह विविधता की परवाह नहीं करता है। लोकतंत्र के नाम पर पश्चिमी हस्तक्षेप ने कई देशों को नष्ट कर दिया है, जिससे लाखों लोग भूख से मर रहे हैं और सैकड़ों-हजारों निर्दोष लोग लोकतंत्र की शुरूआत की प्रक्रिया के दौरान मारे गए हैं। बता दें कि व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा है कि इस बैठक में भाग लेने वाले लोग इस पर चर्चा करेंगे कि दुनियाभर के लोकतंत्र के लिए खड़े होने के वास्ते एक साथ मिलकर कैसे काम किया जाए। चीन ने भी हाल ही में समिट फॉर डेमोक्रेसी को लेकर अपना विरोध जताया है।

ब्राजील के राष्ट्रपति का बेतुका बयान, कहा- कोविड-19 टीके लगाने वाले को हो रहा है एड्स

ब्रासीलिया।(एजेंसी)।

ब्राजील की शीर्ष अदालत के एक न्यायाधीश ने राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो के, कोविड-19 टीकों को एड्स से जोड़ने वाले बयानों की जांच का शुक्रवार को आदेश दिया। बोल्सोनारो ने 24 अक्टूबर को प्रसारित संबोधन में कहा था, 'ब्रिटेन की सरकार की आधिकारिक रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन लोगों को टीके की दोनों खुराक मिली है उन्हें 'एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशिएंसी सिंड्रोम' (एड्स) जल्दी हो रहा है।' फेसबुक और इंस्टाग्राम ने कुछ दिन बाद उक्त वीडियो को यह कहकर हटा लिया कि इससे उनके नियमों का उल्लंघन होता है। वैज्ञानिकों और डॉक्टरों ने भी बोल्सोनारो के दावे का खंडन किया है। ब्राजील के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश अलेक्सांद्रे डी मोरेआस ने देश के शीर्ष अभियोजक ऑगस्टो अरास को निर्देश दिया है कि वह ब्राजील की सीनेट द्वारा महामारी की जांच में लगाए गए आरोप की पड़ताल करे।

ब्राजील के राष्ट्रपति ने अभी तक टीका नहीं लगवाया है और वह टीकाकरण की अनिवार्यता के विरोध में बोलते रहे हैं। बोल्सोनारो का कहना है कि वह केवल एक पत्रिका में छपे लेख का हवाला देते रहे हैं और उन्होंने कोई दावा नहीं किया है। मोरेआस ने अपने आदेश में कहा कि बोल्सोनारो के बयान की जांच होनी चाहिए। हालांकि, किसी प्रकार की जांच होने की संभावना नहीं है। अरास राष्ट्रपति के विरोध में नहीं जाते हैं और सीनेट की समिति द्वारा अनुरोध किये जाने के बावजूद उन्होंने महामारी से निपटने में बोल्सोनारो की भूमिका की भी जांच नहीं की। बोल्सोनारो ने महामारी की शुरुआत से ही स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य नियमों का उल्लंघन किया और कहा कि कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लागू पाबंदियों से फायदे के मुकाबले नुकसान ज्यादा होता है। गौरतलब है कि ब्राजील में कोविड-19 से अब तक 6,10,000 से ज्यादा मरीजों की मौत हो चुकी है और इस मामले में वह अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है।

महिलाओं के हक में तालिबान का बड़ा फैसला, अब नहीं होगी जबरन शादी; विधवा महिलाएं चुन सकेंगी अपनी मर्जी का पति

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान ने महिलाओं पर कई पांबदी लगाई है लेकिन पहली बार तानाशाही तालिबान ने महिलाओं के हक में एक बड़ा फैसला सुनाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अफगानिस्तान में अब महिलाओं की जबरदस्ती शादी नहीं कराई जाएगी। इसका फैसला खुद के सर्वोच्च नेता हिबतुल्ला अखुंजादा द्वारा किया गया है। तालिबान के इस फैसले को विकसित देशों से मान्यता हासिल करने के लिए एक बहाने के रूप में देखा जा रहा है।

15 अगस्त को तालिबान का अफगानिस्तान पर कब्जा हुआ था लेकिन अभी तक इसे विकसित देशों से कोई मान्यता नहीं मिल पाई हैं। इसी वजह से विदेशी देशों से अफगानिस्तान को कोई भी सुविधाएं और फंड नहीं मिल पा रही है। विकसित देशों से कोई भी संसाधन न मिलने के कारण अफगानिस्तान अब गरीबी की कगार पर पहुंच गया है। अखुंजादा ने महिलाओं को लेकर घोषणा करते हुए कहा कि, महिला और पुरूष दोनों बराबर होने चाहिए। कोई भी महिलाओं की जबरन या दबाव में शादी करना गलत है और कोई ऐसे शादी करने के लिए दबाव नहीं बना सकता है। अफगानिस्तान में गरीबी और रूढ़िवादी सोच के कारण महिलाओं की या तो जबरदस्ती शादी करा दी जाती है या फिर मौत के घाट उतार दिया जाता है। ऐसे में कई परिवार अपनी रोजी-रोटी चलाने के लिए अपनी ही बेटियों को या तो बेच देते है नहीं तो उनकी जबरदस्ती शादी करा देते है। अब तालिबान के इस आदेश के बाद महिलाओं की शादी जबरन कराने पर रोक लगा दी जाएगी। बता दें कि, इस कितने उम्र में शादी करा देनी चाहिए को लेकर कोई नियम नहीं आया है। पहले महिलाओं की 16 साल की उम्र में शादी करा दी जाती थी।

एक संपत्ति की तरह इस्तेमाल होती है अफगान की महिलाएं

अफगानिस्तान में हमेशा से महिलाओं का इस्तेमाल एक संपत्ति के तौर पर किया जाता है। अपना पेट पालना हो या लड़ाई खत्म करनी हो तो लोग महिलाओं का इस्तेमाल कर उनकी जबरन शादी करा देते है लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। तालिबान द्वारा लागू किए गए इस फैसले के बाद इसे एक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। जबरन शादी के अलावा अब अफगानिस्तान में विधवाओं के लिए भी तालिबान ने एक नया आदेश जारी किया है। इसके मुताबिक, अब विधवाओं को अपनी मर्जी का पति चुनने का अधिकार होगा। तालिबान ने कहा कि, अगर किसी महिला के पति की मौत हो जाती है तो वह 17 हफ्तों के बीच दूसरी शादी रचा सकती है।

तालिबान की विधवा महिलाओं को लेकर अजीबोगरीब नियम

बता दें कि , विधवा महिला पहले अपने पति के भाई या किसी रिश्तेदार से शादी कर सकती थी लेकिन तालिबान के नए आदेश के बाद महिलाएं अपनी मर्जी से अपना पति चुन सकती है। तालिबान ने साथ में यह भी कहा कि, अफगानिस्तान की अदालतों में महिलाओं के साथ, खासतौर पर विधवा महिलाओं के साथ सही बर्ताव करने का आदेश जारी किया गया है। तालिबान का यह आदेश ऐसे समय पर आया है जब 7वीं से 12वीं तक की अफगान लड़कियों को स्कूल जाने से रोका गया है। इस समय कामकाजी महिलाएं भी अफगानिस्तान में काम नहीं कर सकती है क्योंकि इस समय महिलाओं के काम करने पर भी बैन लगा हुआ है।

पीएम मोदी ने धामी सरकार की पीठ थपथपाई

प्रधानमंत्री मोदी ने किया 18 हजार करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

देहरादून।

उत्तराखण्ड में सत्तारूढ़ भाजपा एक बार फिर से 2022 में मोदी मैजिक के सहारे सत्ता में आने की तैयारी कर रही है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देहरादून में विशाल जनसभा आयोजित की गई। प्रधानमंत्री की जनसभा में भारी तादाद में लोग पहुंचे। गढ़वाली बोली में अपना संबोधन शुरू कर पीएम मोदी ने उत्तराखंड की जनता तक अपनी बात पहुंचाई। प्रधानमंत्री ने इस दौरान धामी सरकार की पीठ भी थपथपाई। साथ ही प्रधानमंत्री ने उत्तराखण्ड को 18 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात भी दी है। 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले देवभूमि उत्तराखंड को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 हजार करोड़ की सौगात दी है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में एक ओर जहां उत्तराखंड से अपना गहरा लगाव बताया साथ ही विपक्षी दलों पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने सबसे पहले परेड मैदान में प्रदर्शनी का अवलोकन किया, जिसके बाद उन्होंने करोड़ों की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री ने जिन योजनाओं का शिलान्यास किया, उनमें 8600 करोड़ की लागत से बनने वाला दिल्ली-देहरादून (इकोनामिक कारीडोर) भी शामिल है। जिन योजनाओं का लोकार्पण हुआ उनमें 120 मेगावाट की व्यासी जलविद्युत परियोजना मुख्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनाव से ठीक पहले देवभूमि उत्तराखंड को 15 हजार 728 करोड़ रुपये की 11 योजनाओं का शिलान्यास और 2 हजार 573 करोड़ की लागत से तैयार 7 योजनाओं का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देहरादून में 18000 करोड रुपए की विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। पीएम मोदी ने देहरादून के परेड ग्राउंड में जनसभा को संबोधित किया। भारी तादात में लोग पीएम को सुनने के लिए पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता से डबल इंजन के सरकार की एक बार फिर से अपील की। उन्होंने लोगों को कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों के आपसी समन्वय के चलते प्रदेश का तेजी के साथ विकास हो रहा है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर हमले भी बोला और अपनी सरकार की उपलब्धियों का बखान भी किया। पीएम मोदी ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि कुछ राजनीतिक दल, कुछ वर्ग के लोगों पर ही ध्यान देते रहे हैं, क्योंकि वह जनता को सिर्फ एक वोट बैंक की तरह देखते हैं। अन्य राजनीतिक दल यही चाहते रहे हैं कि जनता हमेशा मजबूर बनी रहे। अन्य राजनीतिक दल के प्रयास इसी दिशा में रहे कि जनता को मजबूत नहीं बनने देना है।

सोची समझी राजनीति के तहत जनता को आश्रित बनाया गया, तो वहीं भाजपा, सबका साथ और सबका विकास के तहत चल रही है। भाजपा ने लोगों को वोट बैंक का आधार नहीं बनाया बल्कि लोगों की सेवा की है।

योगी सरकार ने दी आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना को मंजूरी

लखनऊ । उत्तरप्रदेश में अगले साल यानी 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश मंत्रिपरिषद ने कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के मकसद से आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना को मंजूरी दी है।योजना को चालू वित्त वर्ष 2021-2022 से ही लागू किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बैठक में मंत्रिपरिषद ने चालू वित्त वर्ष से उत्तरप्रदेश में आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना लागू करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी। योजना के तहत राज्य के प्रत्येक विकास खंड में अगले तीन वर्षों में 1,475 किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) बनाए जाएंगे सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष से 2031-32 तक परियोजना के क्रियान्वयन से राज्य सरकार पर समेकित रूप से 1,220.92 करोड़ रुपये का भार पड़ेगा है। यह योजना कृषि अवसंरचना कोष के तहत केंद्र द्वारा राज्य को आवंटित 12,000 करोड़ रुपये के बजट का उपयोग करने के लक्ष्य को प्राप्त करने में भी मदद करेगी। इसके अंतर्गत कृषि अवसंरचनाओं का सतत विकास होगा। मंत्रिमंडल की बैठक ने नई देशव्यापी केंद्रीय क्षेत्र योजना-कृषि अवसंरचना कोष को अपनी मंजूरी प्रदान की। यह योजना ब्याज अनुदान और वित्तीय सहायता के माध्यम से फसल के बाद बुनियादी ढांचा प्रबंधन और सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों के लिए व्यवहार्य परियोजनाओं में निवेश के लिए मध्यम-लंबी अवधि के ऋण वित्तपोषण की सुविधा प्रदान करेगी।

कृषि उत्पादन संगठनों के विकास एवं संवर्द्धन के लिए यूपी कृषक उत्पादक संगठन नीति के तहत चालू वित्त वर्ष में प्रदेश के प्रत्येक विकास खंड में कम से कम एक कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) का लक्ष्य निर्धारित हुआ है। भारत सरकार के मानकों के समान राज्य सरकार के बजट से वित्त वर्ष 2021-22 में 225 कृषक उत्पादक संगठनों का गठन, वर्ष 2022-23 में 625 कृषक उत्पादक संगठनों का गठन तथा वर्ष 2023-24 में 625 कृषक उत्पादक संगठनों का गठन प्रस्तावित है।

योगी सरकार ने खत्म कर दिया अपराध का भय - अनुराग ठाकुर

गोरखपुर। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है सपा-बसपा सरकार में लोग अपराध की वजह से रात में घर से निकलने से डरते थे। योगी सरकार ने वह डर लोगों के मन से समाप्त करने का कार्य किया है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में निवेश तेजी से बढ़ा है। उन्होंने पिछली सरकारों पर हमला करते हुए कहा कि जिस एम्स को कांग्रेस सरकार 20 साल में बनाती थी, उसे मोदी-योगी सरकार ने महज पांच वर्ष में तैयार कर दिया। कहा कि आजादी के बाद 70 वर्षों में जितने मेडिकल कॉलेज और एम्स नहीं बने थे, उतने मोदी और योगी सरकार में महज 5 साल में बन गए। केंद्रीय मंत्री ने गोरखपुर में इंडोर स्टेडियम और शूटिंग रेंज खोलने की घोषणा भी की। इसे खोलने के लिए उन्होंने महाप्रताप शिक्षा परिषद को आमंत्रित किया। केंद्रीय मंत्री महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को जीवन की कठिन परिस्थितियों से भागना नहीं है बल्कि सीधा खड़ा होकर मुकाबला करना है। चुनौतियों को अवसर में बदलना है। क्योंकि लड़ने वालों के कदमों में ही जहां होता है। ठाकुर ने रोजगार, स्व-रोजगार और अविष्कार की तरफ कदम बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने स्टार्टअप से उद्योग लगाने तक की संभावना पर अपने विचार रखे।

कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष किशोर उपाध्याय बीजेपी में होंगे शामिल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी की रैली का वक्त ज्यों-ज्यों करीब आ रहा, कांग्रेस नेताओं की बेकरारी भी बढ़ती जा रही है। यह बेकरारी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष किशोर उपाध्याय को लेकर है। पिछले कई दिनों से किशोर के भाजपा में शामिल होने की अटकलें चरम पर हैं। चर्चा है कि किशोर शनिवार को मोदी की रैली के दौरान भाजपा ज्वाइन कर सकते हैं। पिछले दिनों हरीश रावत और अब पूर्व मंत्री शूरवीर सजवाण के साथ उनकी तकरार से इन चर्चाओं को बल मिला है। सूत्रों के अनुसार किशोर के कुछ करीबी भी शनिवार की रैली को लेकर खासे सक्रिय हैं। वो अपने पुराने साथियों को रैली में शरीक होने के लिए सहमत करने की कोशिश भी कर रहे हैं। किसी वक्त किशोर के खास रहे एक वरिष्ठ नेता ने भी इसकी पुष्टि की। किशोर समर्थक उनके अपमान और उपेक्षा को मुद्दा बना रहे हैं। किशोर पिछले काफी समय से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी से मिलने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उन्हें वक्त नही मिल पा रहा है। मैं कोई ज्योतिषी नहीं हूं संपर्क करने पर किशोर ने भाजपा में शामिल होने की बात को स्वीकार नहीं किया, लेकिन इनकार भी नहीं किया। उनका कहना है कि कल क्या होगा, क्या कहा जा सकता है। मैं भी कोई ज्योतिषी नहीं हूं जो भविष्य देख ले।

भारत ने पिछले सात सालों में 38 हजार करोड़ से अधिक के रक्षा सामानों का निर्यात किए

नई दिल्ली ।

भारत ने पिछले सात सालों में 38 हजार करोड़ से अधिक के रक्षा सामानों का निर्यात किया है। इसके साथ ही देश जल्द ही रक्षा सामनों का शुद्ध निर्यातक बन जाएगा। यह जानकारी शनिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी।राजनाथ ने सोसायटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) के एमएसएमई सम्मेलन में कहा, हमारा एयरोस्पेस एवं रक्षा का करीब 85 हजार करोड़ रुपये का उद्योग है। इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़कर 18 हजार करोड़ हो गई है। इस मौके पर सिंह ने एमएसएमई से अनुसंधान एवं विकास में ज्यादा निवेश करने की अपील की क्योंकि इससे देश की सुरक्षा स्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, आप को नई तकनीक, नए उत्पाद लाने चाहिए। आपको यह नहीं सोचना चाहिए कि आपके छोटे उद्योग के कारण आप बड़े अनुसंधान नहीं कर सकते।'' उन्होंने कहा कि सरकार की पहल के बाद करीब 12 हजार एमएसएमई रक्षा उद्योग से जुड़े हैं। उन्होंने कहा, सरकार की पहल के कारण पिछले सात वर्षों में भारत से रक्षा निर्यात 38 हजार करोड़ रुपये से अधिक हुआ है।सिंह ने कहा कि इन पहल के कारण रक्षा उद्योग में अनुसंधान, शोध और विकास और काफी संख्या में स्टार्टअप बढ़ गए हैं। निर्यात को बढ़ावा देने पर सरकार के ध्यान देने की बात दोहराकर मंत्री ने उम्मीद जाहिर कि भारत जल्द ही शुद्ध आयातक से शुद्ध निर्यातक बन जाएगा। उन्होंने कहा, ''सरकार का लक्ष्य 2024-25 तक 35 हजार करोड़ का निर्यात लक्ष्य हासिल करना है। वर्तमान में भारत करीब सात देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात कर रहा है। 2020 की रिपोर्ट के मुताबिक भारत रक्षा निर्यात में शीर्ष 25 देशों में शामिल है। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने सरकार के आत्मनिर्भर पहल का पूरी तरह समर्थन किया है।

काशी-मथुरा के लिए भी भाजपा सरकार बनाये कानून- तोगड़िया

जौनपुर।

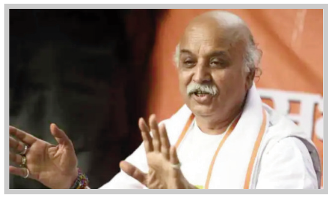

अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया ने कहा है कि हिंदुओं के संघर्ष से राम का मंदिर बन रहा है। यह आनंद की बात है। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में है तो उसे मथुरा-काशी के लिए भी कानून बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब ट्रिपल तलाक पर कानून आ सकता है तो काशी, मथुरा के लिए भी आ जाए। उन्होंने कहा कि इस कानून को लाने से चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश में लाभ होगा। डॉ. तोगड़िया शुक्रवार की देर शाम को जौनपुर के रूहट्टा स्थित एक कांपलेक्स में आयोजित हिंदू धर्म रक्षा निधि अर्पण कार्यक्रम के पूर्व पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह और नरेंद्र मोदी के 17 साल के कार्यकाल में महंगाई बढ़ी है। गरीब और गरीब तथा मुठ्ठी भर पैसे वाले अमीर हो रहे हैं। गरीब और मध्यम वर्ग का विकास रुक गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में भी विकास हुआ। मनमोहन, अटल बिहारी वाजपेई और नरेंद्र मोदी की भी सरकार में काम हुए, लेकिन, गरीब की गरीबी बढ़ रही है। उद्योगपति समृद्ध हो रहे हैं, यह हम नहीं, सरकारी आंकड़े बताते हैं। सरकार को देश की अर्थतंत्र की पॉलिसी बदलनी होगी। उन्होंने कहा कि जैसे राम मंदिर बनाने के लिए अभियान चलाया था, वैसे ही देश की आर्थिक समृद्धि, गरीबी मुक्त भारत, रोजगार युक्त युवा और कर्ज मुक्त किसान के लिए हम अभियान चलाएंगे। डा. तोगड़िया ने किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य का कानून बनाने की वकालत करते हुए कहा कि अमेरिका की एक कंपनी है जो सारी उपज खरीद लेती है। यह भारत में भी होने वाला था। एक उद्योगपति किसानों से 1300 रुपये क्विंटल खाद्यान्न खरीदता और फिर उसे तीन हजार में बेचता, अच्छा हुआ नरेंद्र मोदी सरकार ने समय रहते कृषि कानून वापस ले लिए। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए समर्थन मूल्य का कानून बनाना चाहिए।

यूपी में फिर भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली बनेगी सरकार: उमा भारती

नई दिल्ली।

भारतीय जनता पार्टी की तेजतर्रार नेता और मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमाभारती ने आगामी चुनावों के उपरांत यूपी में सत्ता परिवर्तन की अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए दावा किया है कि राज्य में एक बार फिर पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी। यहां शनिवार को पत्रकारों से वार्ता करते हुए भाजपा नेता उमा ने कहा कि यूपी बदल गया है, यहां अब पहले जैसी स्थितियां नहीं रहीं। 2017 में यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा ने केंद्र की मोदी सरकार के महज तीन साल के कार्यो के सहारे जनता का विश्वास हासिल किया था, लेकिन इस बार योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार द्वारा हासिल की गई उपलब्धियां सूबे में पार्टी की पुनर्वापसी कराएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने यहां विकास कार्यों में नया कीर्तिमान स्थापित किया है तो गुंडागर्दी और अराजकता के माहौल को खत्म कर कानून का राज कायम किया गया है। महिलाएं सुरक्षा महसूस कर रही हैं, लोग भयमुक्त वातावरण में रह रहे हैं। यही वजह है कि आम आदमी का भाजपा पर भरोसा बढ़ा है। उमा ने दावा किया कि यूपी में किसी भी पार्टी के दूसरी बार सत्ता न पाने का मिथक न सिर्फ अबकी टूटेगा बल्कि भाजपा इस बार प्रदेश में पहले से अधिक सीटें हासिल करके सरकार बनाएगी, विरोधी दलों के यहां सत्ता पर काबिज होने के मंसूबे कतई पूरे नहीं होंगे। यूपी में भाजपा से सीधी लड़ाई में कोई भी दल नही है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा इस बार यूपी में विधानसभा की कुल 403 में से 400 सीटें जीतने के दावों को उन्होंने हंसी में लेते हुए कहा कि अखिलेश दिन में सपने देखना बंद करें। सपा अपने पुराने रिकॉर्ड को भी दोहराने में कामयाब नहीं होगी।

बूस्टर डोज

बूस्टर डोज के बजाय कोविड-19 टीके की दोनों डोज देने पर अधिक ध्यान देने की जरूरत - विशेषज्ञ

नई दिल्ली ।

वैज्ञानिकों का कहना है कि भारत में अभी जनसंख्या के एक बड़े हिस्से को संक्रमण के प्रति आधारभूत सुरक्षा मिलनी बाकी है इसलिए कोविड-रोधी टीके की %बूस्टर% डोज देने के बजाय लाभार्थियों को दोनों डोज देने को प्राथमिकता देनी चाहिए। कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वैरिएंट के सामने आने से उपजी चिंता और टीके से संक्रमण के प्रति मिली सुरक्षा में कमी होने से %बूस्टर% डोज देने की जरूरत समझी जा रही है। बहुत से देशों में भले ही बूस्टर डोज देना पहले से शुरू कर दिया गया हो, लेकिन कई विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में चूंकि बड़े स्तर पर टीकाकरण अभियान छह से आठ महीने पहले ही प्रारंभ हुआ था, इसलिए यहां की प्राथमिकता अलग होनी चाहिए। भारतीय %सार्स-कोव-2 जीनोमिक्स सिक्वेंसिंग कंसोर्टियम% (इंसाकोग) ने जोखिम वाले इलाकों और संक्रमण के ज्यादा करीब रहने वाली जनसंख्या के 40 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को टीके की बूस्टर खुराक देने की वकालत की है, लेकिन विशेषज्ञों की राय इससे अलग है। इंसाकोग, राष्ट्रीय जांच प्रयोगशालाओं का एक नेटवर्क है जिसे सरकार ने कोविड-19 के परिवर्तित होते जीनोमिक वैरिएंट पर निगरानी के उद्देश्य से बनाया है। रोग प्रतिरोधक क्षमता वैज्ञानिक विनीता बल ने कहा कि हमारे यहां 18 साल से कम उम्र के लोगों की बड़ी आबादी है। जब तक इन्हें टीका नहीं दिया जाता, दूसरी डोज के लिए एक समान नीति या तीसरी डोज का सुझाव देना बेमानी है। पुणे के भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान में अतिथि शिक्षक बल ने कहा कि टीके की दोनों डोज ले चुके लोगों में संक्रमण होने की लगातार सामने आ रही खबरों से पता चलता है कि ऐसे लोगों में बीमारी उतनी गंभीर नहीं है जितनी उन लोगों में जिन्होंने टीके की एक भी डोज नहीं ली है। इससे भी इसकी पुष्टि होती है कि भारत में टीका लगवा चुके लोगों में रोग प्रतिरक्षा क्षमता है। नई दिल्ली के राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई) के सत्यजीत रथ ने कहा कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि दुनिया में किसी भी टीके के लिए बूस्टर की जरूरत है या नहीं। उन्होंने कहा कि हाल के अध्ययन में प्रतिरक्षा की अवधि और सुरक्षा में अंतर दिखने लगा है, इसलिए मैं इन आंकड़ों के आधार पर बूस्टर डोज के बारे में जल्दबाजी में कोई निश्चित राय नहीं दे सकता। उन्होंने एक बयान में कहा कि वैज्ञानिक आंकड़ों से पता चला है कि मास्क के कारण कोविड-19 का प्रसार 53 प्रतिशत तक घट सकता है। टीके की बूस्टर डोज, काम करती भी है तो यह केवल एक अस्थायी समाधान होगा। हम हर छह महीने पर और वायरस के हर स्वरूप के लिए बूस्टर डोज नहीं ले सकते। मास्क लगाना आज की जरूरत है और टीकाकरण का कोई विकल्प नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

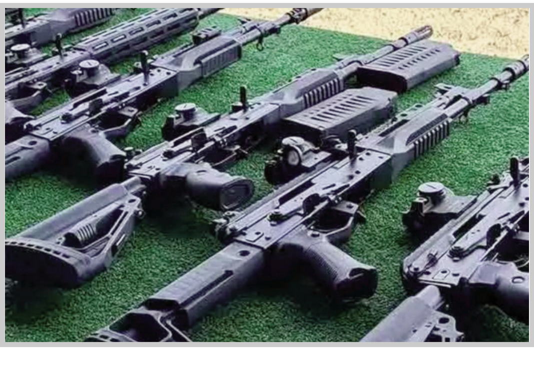

यूपी में बनेगी एके-203 रायफल, केंद्र ने यूपी में निर्माण को दी मंजूरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अमेठी में अत्याधुनिक एके-203 रायफल के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस बावत केन्द्र सरकार ने अपनी मंजूरी दे दी है। रूस से हुए रक्षा समझौते के तहत यहाँ छह लाख रायफल तैयार किये जायेंगे। जबकि एक लाख रायफल की आपूर्ति खुद रूस करेगा। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के साथ दिल्ली में होने वाली बैठक से पहले सरकार ने यह फैसला लिया है। 1996 से इस्तेमाल हो रहे इंडियन स्मॉल आर्म्स सिस्टम (इंसास) असॉल्ट राइफल की जगह अब एके-203 लेगा। इस सौदे पर एससीओ (शंघाई कॉर्पोरेशन ऑर्गनाइजेशन) समिट के दौरान सहमति बनी थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस समिट में हिस्सा लेने के रूस गए थे। एके-203 को भारत और रूस के ज्वाइंट वेंचर इंडो-रशिया राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड (आईआरआरपीएल) द्वारा तैयार किया जाएगा।

भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल पूर्व कैबिनेट मंत्री यशपाल आर्य के काफिले पर हमला

नई दिल्ली। भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल पूर्व कैबिनेट मंत्री यशपाल आर्य के काफिले पर हमला हुआ है। घटना के वक्त आर्य बाजपुर जा रहे थे। काले झंडों के साथ ही लाठी-डंडों से लैस होकर करीब दर्जनभर हमलावरों ने आर्य का काफिला रोका। सूत्रों की मानें तो पूर्व जिला पंचायत सदस्य और उनके समर्थकों ने आर्य को काले झंडे दिखाए थे। आर्य का आरोप है कि उनके काफिले को रोककर उनपर जानलेवा हमला हुआ है। घटना के वक्त, यशपाल और दूसरे पक्ष के समर्थक भी आमने-सामने आ गए थे, जिससे गतिरोध की स्थिति बन गई थी। सूत्रों की मानें तो, कुछ समर्थक चोटिल भी हुए हैं। घटना के बाद, यशपाल आर्य, बेटे नैनीताल पूर्व विधायक संजीव आर्य सहित समर्थकों के साथ कोतवाली में धरने पर बैठ गए हैं। वे हमलावरों को तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

महबूबा का हमला, मोदी सरकार गोडसे का कश्मीर बनाना चाहती

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधकर मोदी सरकार को लेकर तल्ख तेवर दिखाए, वहीं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की लगे हाथ तारीफ भी की। महबूबा ने वाजपेयी को महान नेता बताकर कहा कि वे चाहते,तब हजार बालाकोट कर सकते थे। उन्होंने कहा कि वाजपेयी ने ऐसा नहीं किया।वाजयेपी ने ऐसा न करके राजधर्म निभाया, वाजपेयी ने कश्मीर को दिल की नजरों से देखा।ये सरकार गोडसे का कश्मीर बनाना चाहती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी पाकिस्तान गए, हूर्रियत से बात की।परवेज मुशर्रफ को बुलाया।संसद चली, बात हुई। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी की काफी आलोचना हुई। ये भी कहा गया कि एक भी गोली दागे बिना चला आया। शायद उन्हें इसी वजह से चुनाव में हार मिली होगी। मुफ्ती ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का सीना 56 इंच का नहीं, 67 इंच का है।उन्होंने अनुच्छेद 370 और 35 ए का मसला भी उठाया और ये भरोसा भी व्यक्त किया कि जम्मू कश्मीर को ये विशेषाधिकार लौटाना होगा।

गोयल ने की चक्रवात 'जवाद' से निपटने की तैयारियों की समीक्षा

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री मंत्री पीयूष गोयल ने चक्रवात 'जवाद से निपटने के लिए आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल द्वारा की गई व्यवस्था और तैयारियों की समीक्षा की। गोयल ने सभी हितधारकों के सुझावों के द्वारा इस प्राकृतिक आपदा के प्रभावी तरीके से प्रबंधन के लिए एक व्यापक कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया। गोयल ने कहा कि आपदा प्रबंधन और बचाव तथा प्रभावित लोगों के जीवन और आजीविका की रक्षा के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) आवश्यक है। गोयल ने कहा कि हमें अपनी क्षमताओं का लगातार अद्यतन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'चक्रवात के प्रभाव से निपटने को बैंकिंग और बीमा क्षेत्रों में भी तैयारियों की जरूरत है।''

हाथी-मानव संघर्ष को कम करने के उद्देश्य से असम में परियोजना शुरु

नई दिल्ली। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने कर्नाटक में शुरू होने के नौ महीने बाद, असम में मधुमक्खियों का उपयोग करके हाथी-मानव संघर्ष को कम करने के उद्देश्य से परियोजना शुरू की है। प्रोजेक्ट री-हैब (मधुमक्खियों का उपयोग करके हाथी-मानव हमलों को कम करना) के तहत, मानव क्षेत्रों में हाथियों के प्रवेश को अवरुद्ध करने के लिए हाथियों के मार्ग पर मधुमक्खी बक्से स्थापित कर बाड़ तैयार की जाती है। केवीआईसी ने कहा कि बक्सों को एक तार से जोड़ा जाता है, ताकि जब हाथी गुजरने की कोशिश करें,तब एक धागे या रस्सी के कारण मधुमक्खियां हाथियों के झुंड में आ जाती हैं और उन्हें आगे बढ़ने से रोकती हैं।इस प्रोजेक्ट को पहली बार इस साल मार्च में कर्नाटक में शुरू किया गया था। परियोजना का शुभारंभ केवीआईसी के अध्यक्ष वी के सक्सेना ने असम के गोलपारा जिले के मोरनोई गांव में किया, जो हाथियों-मानव संघर्षों से गंभीर रूप से जूझ रहा है। यह परियोजना मानव-हाथी संघर्ष का एक स्थायी समाधान साबित होगी जो असम में बहुत आम है। आयोग ने कहा कि परियोजना जानवरों को कोई नुकसान पहुंचाए, बिना मानव-वन्यजीव संघर्षों को कम करने का एक किफायती तरीका है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एलन मस्क की स्टारलिंक जनवरी अंत तक भारत में इंटरनेट सेवा के लाइसेंस के लिए करेगी आवेदन

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर शख्स और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क भारत में अपनी सैटेलाइट इंटरनेट सेवा देने और अपनी कंपनी स्टारलिंक को एंट्री दिलाने के लिए पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। स्टारलिंक के कंट्री हेड संजय भार्गव ने शुक्रवार को कहा कि स्टारलिंक भारत में ब्रॉडबैंड और अन्य सेवाएं प्रदान करने के लिए एक वाणिज्यिक लाइसेंस के लिए अगले साल की शुरुआत में आवेदन करेगी। संजय भार्गव ने एक लिंक्डइन पोस्ट में कहा कि हमें उम्मीद है कि 31 जनवरी 2022 को या उससे पहले वाणिज्यिक लाइसेंस के लिए आवेदन करेंगे। उन्होंने कहा कि कंपनी अप्रैल तक अपनी सेवाएं शुरू कर सकती है, साथ ही कंपनी का लक्ष्य दिसंबर 2022 तक भारत में 200,000 स्टारलिंक डिवाइस रखना है। कंपनी पहले कह चुकी है कि उसे उम्मीद है कि इनमें से 80 फीसदी डिवाइस ग्रामीण क्षेत्रों में होंगे। स्टारलिंक इंडिया की ओर से बीते दिनों दिए गए बयान में बताया गया था कि भारत में स्टारलिंक इंटरनेट सर्विस को लेकर खासा उत्साह है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि देश में प्रीऑर्डर बुकिंग का आंकड़ा 5000 को पार कर चुका है। बता दें कि एलन मस्क की कंपनी 2022 के अंत तक देश में इंटरनेट सेवा शुरू करना चाहती है।

सरकार ने जनता से की ये अपील–सरकार की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया कि एलन मस्क की स्टारलिंक कंपनी को भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा मुहैया कराने के लिए अभी तक लाइसेंस जारी नहीं किया गया है। ऐसे में देश की जनता से यह अपील की जा रही है कि वे इस कंपनी की सर्विस के लिए सब्सक्रिप्शन नहीं खरीदें। इससे नुकसान उठाना पड़ सकता है।

कंपनी के झांसे बिल्कुल न आएं–सरकार के साथ साथ दूरसंचार विभाग की ओर से लोगों को आगाह किया गया है कि कंपनी से दूर रहने में ही अभी भलाई है।

पंजाब में कांग्रेस का गेम बिगाड़ेंगे अमित शाह? कहा– हमारा गठबंधन होगा, कैप्टन साहब से बातचीत चल रही

नई दिल्ली। पंजाब में अगले साल की शुरुआत में ही विधानसभा चुनाव है और कांग्रेस का गेम बिगाड़ने के लिए भाजपा गठबंधन की रणनीति पर काम कर रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को लीडरशिप समिट में पंजाब चुनाव को लेकर भाजपा की रणनीति पर चर्चा की। पंजाब में गठबंधन के सवाल पर अमित शाह ने कि हमारी कैप्टन अमरिंदर सिंह की पार्टी और शिरोमणि अकाली दल दोनों से बातचीत चल रही है। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले गठबंधन हो जाएगा। बता दें कि हाल ही में कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कांग्रेस का साथ छोड़ा था और यह संकेत दिया था कि उनकी नई पार्टी, भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ सकती है।

पंजाब चुनाव से जुड़े एक सवाल के जवाब में समिट में अमित शाह ने कहा कि हम इस बारे में सकारात्मक हैं। हमारी कैप्टन साहब से भी बात चल रही है। साथ ही हम शिरोमणि अकाली दल के साथ भी चर्चा में हैं। हो सकता है हमारा गठबंधन हो। शाह ने कहा कि पंजाब का चुनाव विकास के मुद्दे पर लड़ा जाएगा, जिसका प्रदर्शन बेहतर होगा, वो चुनाव जीतेगा। उन्होंने कहा कि जहां तक किसानों के आंदोलन का सवाल है तो पीएम मोदी ने बहुत बड़ा दिल दिखाकर तीनों कृषि कानूनों को वापस ले लिया और आंदोलन को समाप्त करने को कहा।

गौरतलब है कि अगले साल होने वाला पंजाब विधानसभा चुनाव काफी दिलचस्प हो चला है। कांग्रेस छोड़ने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अपनी पार्टी बना ली है। अब इस बात के प्रबल आसार हैं कि कैप्टन की पार्टी भाजपा के साथ गठबंधन बना सकती है। हालांकि, अभी कैप्टन ने पूरी तरह से अपने सियासी पत्ते नहीं खोले हैं। वह फिलहाल अपनी पार्टी को मजबूत करने की कोशिशों में जुटे हैं।सियासी जानकारों का मानना है कि अगर कैप्टन अमरिंदर सिंह और भाजपा के बीच गठबंधन होता है तो कांग्रेस को अधिक नुकसान हो सकता है।

पंजाब में भाजपा महासचिव दुष्यंत गौतम ने कहा है कि भाजपा पंजाब में सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहाकि अमरिंदर सिंह की पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस के साथ गठबंधन करेगी या नहीं, इस बात का फैसला कैप्टन अमरिंदर सिंह करेंगे। अमरिंदर सिंह की पार्टी भी समान विधानधारा वाली पार्टियों से गठबंधन की इच्छुक है। अभी तक तीन कृषि कानून भाजपा और अमरिंदर के बीच बाधा बन रहे थे। लेकिन अब चूंकि केंद्र सरकार ने तीनों कृषि कानूनों को वापस ले लिया है तो दोनों के लिए गठबंधन की राह आसान हो गई है।

पंजाब चुनाव से जुड़े एक सवाल के जवाब में समिट में अमित शाह ने कहा कि हम इस बारे में सकारात्मक हैं। हमारी कैप्टन साहब से भी बात चल रही है। साथ ही हम शिरोमणि अकाली दल के साथ भी चर्चा में हैं। हो सकता है हमारा गठबंधन हो। शाह ने कहा कि पंजाब का चुनाव विकास के मुद्दे पर लड़ा जाएगा, जिसका प्रदर्शन बेहतर होगा, वो चुनाव जीतेगा।

ड्रग तस्करी के लिए बढ़ रहा डार्कनेट का इस्तेमाल

काउंटर करने को सरकार के पास है यह प्लान

नई दिल्ली। अवैध ड्रग कारोबार के मामलों में डार्कनेट का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। सुरक्षा एजेंसियों की पकड़ से बचने के लिए ज्यादातर मामलों में तस्करी के लिए इसका इस्तेमाल हो रहा है। एजेंसियां माफिया गुटों की रणनीति को ध्यान में रखते हुए इस तरह के सॉफ्टवेयर और तकनीकी विशेषज्ञता पर जोर दे रही हैं, जिससे इस व्यूह को भेदने में सफलता मिले।

भारत, अमेरिका, सिंगापुर सहित विभिन्न देशों में डार्कनेट के जरिये अवैध ड्रग कारोबार का चलन बढ़ रहा है। गृह मंत्रालय की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ड्रग तस्कर डार्कनेट के जरिये क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग करके अपना अवैध कारोबार कर रहे हैं। सरकार क्रिप्टोकरेंसी के लिए प्रस्तावित नए प्रावधानों में भी इस चिंता को ध्यान में रख रही है। सुरक्षा एजेंसियां प्रशिक्षण पर भी ध्यान दे रही हैं, जिससे इस टूल को समझकर ऐसे अपराधों पर नकेल की रणनीति एनसीबी सहित अन्य एजेंसियां बना सकें। अवैध ड्रग नेटवर्क से जुड़े अपराधी ऐसे सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल इंटरनेट के तहत करते हैं जिसे पकड़ना तीसरे पक्ष के लिए आसान नहीं होता। नए - नए

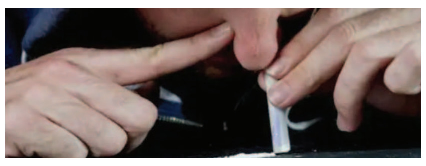

सॉफ्टवेयर के जरिये एजेंसियों की पकड़ से बचने की कोशिश की जाती है। सूत्रों ने कहा कि आतंकी गुट भी इन तरीकों के जरिये सुरक्षाबलों के सामने चुनौती पेश करते हैं। लिहाजा ड्रग कारोबार और आतंक के नेटवर्क पर नकेल के लिए आतंकरोधी एजेंसियां भी इस तरह के मामलों की गहन छानबीन करके काउंटर रणनीति बनाने में जुटी हैं।

'जोखिम वाले' देशों से आए 16 हजार यात्रियों की हुई कोविड जांच, 18 मरीजों में ओमिक्रॉन की आशंका

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि ओमिक्रॉन संक्रमण के देश में दो मामले आए हैं। खतरे की श्रेणी वाले देशों (एट रिस्क) से आए 16 हजार यात्रियों की आरटीपीसीआर जांच में 18 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। इनके जीनोम अनुक्रमण से पता लगाया जा रहा है कि इनमें से कितने ओमीक्रीन संक्रमित हैं। केंद्र ने राज्य सरकार को सभी सावधानियां बरतने को कहा है। हवाई अड्डे सहित अन्य स्थानों पर संक्रमण की जांच के लिये सभी एजेंसियों एवं प्रदेश सरकारों के साथ समन्वय बनाकर काम किया जा रहा है। लोकसभा में कोविड-19 महामारी से उत्पन्न स्थिति पर गुरुवार को हुई चर्चा का शुक्रवार को जवाब दिया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने कोविड-19 वायरस के नए स्वरूप का जिक्र किया और कहा कि दक्षिण अफ्रीका से दुबई होते हुए भारत आने वाले दो यात्री (19 साल की युवती और 67 साल का बुजुर्ग) बेंगलुरु हवाई अड्डे पर कोविड संक्रमित पाए गए हैं। 19 वर्षीय युवती में

ओमिक्रॉन वायरस की पुष्टि नहीं हुई, जबकि बुजुर्ग के नमूने में भी ओमिक्रॉन वायरस की पुष्टि हुई है। मंडाविया ने कहा कि बुजुर्ग के नमूने की जीनोम अनुक्रमण की रिपोर्ट आने से पहले उनकी दूसरी आरटीपीसीआर रिपोर्ट निगेटिव आ चुकी थी। वह दक्षिण अफ्रीका वापस लौट चुके थे तथा उनके संपर्क में आए लोगों में कोई संक्रमित नहीं मिला।

मंडाविया ने बताया कि बेंगलुरु के 46 साल के एक पुरुष की 22 नवंबर को हुई आरटीपीसीआर जांच में संक्रमण का पता चला। इसका जीनोम अनुक्रमण 28 नवंबर को हुआ, जिसमें ओमिक्रॉन स्वरूप का पता चला और इनके संपर्क में आए तीन परिवार के सदस्यों और 160 लोगों की जांच में पांच लोग संक्रमित मिले, जिनके नमूनों का आगे जीनोम अनुक्रमण परीक्षण चल रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इसके अलावा विभिन्न अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से भारत आने वाले लोगों की भी जांच की जा रही है।

उन्होंने कहा कि खतरे की श्रेणी वाले देशों (एट रिस्क) से आए 16 हजार यात्रियों की आरटीपीसीआर जांच में 18 लोग कोविड-19 संक्रमित पाए गए हैं। यह पता लगाया जा रहा है कि इनमें से कितने नए स्वरूप ओमिक्रॉन से संक्रमित हैं। मंडाविया ने कहा कि केंद्र ने राज्य सरकार को सभी सावधानियां बरतने को कहा है।

सफर के दौरान चोरी होने पर की जा सकेगी भरपाई, आईआरसीटीसी ने बनाई योजना

रेल मंत्री जल्द करेंगे घोषणा

नई दिल्ली। रेलवे सफर के दौरान बैग, मोबाइल या लैपटॉप चोरी होने या खोने पर उसकी भरपाई करेगी। इसके लिए भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने यात्रियों के इन सामानों का इंश्योरेंस करने की योजना तैयार की है। उम्मीद है कि रेल मंत्री जल्द ही इस योजना की घोषणा करेंगे। आईआरसीटीसी के आला अधिकारी बताते हैं कि फिलहाल इंश्योरेंस का लाभ उन यात्रियों को मिलेगा, जो ऑनलाइन टिकट बुक कराएंगे। मोबाइल, लैपटॉप व बैग वगैरह के इंश्योरेंस को लेकर निजी कंपनियों से बात चल रही है। इसमें ट्रेन में सफर करने वाले मुसाफिरों के साथ स्टेशन व सरकुलेटिंग एरिया के पैसेंजरों को भी इसका लाभ मिलेगा, बशर्ते उनके पास आरक्षित टिकट हो। सूत्रों का कहना है कि योजना के पहले चरण में मोबाइल फोन व लैपटॉप को शामिल किया जाएगा। इसके लिए इंश्योरेंस कीमत पर मंथन चल रहा है। ट्रेन में सामान चोरी होने की सूचना पहले कोच अटेंडेंट या कंडक्टर को देना होता है। इसके बाद जीआरपी में मामला दर्ज कराया जाता है। पर, चोरी गए मोबाइल व लैपटॉप बमुश्किल ही मिल पाते हैं। ऐसे में इन सामानों को इंश्योरेंस होने से यात्रियों को राहत मिलेगी। पर, इंश्योरेंस के लिए यात्रियों को पुलिस से एफआईआर व नॉन ट्रेसेबल सर्टिफिकेट लेना होगा। इसमें करीब तीन महीने लगते हैं।

जनरल यात्रियों का जल्द शुरू होगा इंश्योरेंस–रेलवे की ओर से इंश्योरेंस की सुविधा फिलहाल ऑनलाइन टिकट खरीदने वाले यात्रियों को मिल रही है।

दूसरी खुराक के लिए चंद लोग बाकी, हिमचाल प्रदेश बनेगा पूर्ण टीकाकरण वाला पहला राज्य

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश अगले एक-दो दिनों के भीतर सौ फीसदी वयस्क कोरोना टीकाकरण का लक्ष्य हासिल करने जा रहा है। राज्य में अब कुछ ही लोग बाकी रह गए हैं, जिन्हें टीके की दूसरी खुराक लेनी है। यह लक्ष्य हासिल करने वाला हिमाचल देश का पहला राज्य होगा।

हिमाचल प्रदेश में टीकाकरण का कार्य तेजी से चला तथा उसने काफी पहले ही एक खुराक देने का सौ फीसदी लक्ष्य हासिल कर लिया था। इसके बाद राज्य में दूसरी खुराक पर तेजी से फोकस किया गया। यह लक्ष्य भी अब पूरा होने वाला है। संभावना है कि शनिवार की रात या रविवार की सुबह तक यह लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। इसके बाद राज्य एवं केंद्र सरकार एक बड़े कार्यक्रम में इसका ऐलान करेंगी।

देश में कोविड टीकाकरण का आंकड़ा 126.44 करोड़ के पार

देश में कोविड टीकाकरण अभियान के 322 वें दिन शुक्रवार को 66 लाख से अधिक टीके लगाये गये और इसके साथ ही कोविड टीकाकरण 126.44 करोड़ से अधिक हो गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने शुक्रवार देर शाम बताया कि देश में कोविड टीकाकरण अभियान के तहत शाम सात बजे तक 126 करोड़ 44 लाख 92 हजार 187 कोविड टीके लगाये जा चुके है। सरकार के मुताबिक, कल 66 लाख 58 हजार 55 कोविड टीके दिये गये।

आंकड़ों के अनुसार 79 करोड़ 56 लाख 76 हजार 342 लोगों को कोविड टीके की पहली खुराक दी गयी है जबकि 46 करोड 88 लाख 15 हजार 815 को दूसरी खुराक भी दी जा चुकी है। मंत्रालय ने कहा है कि टीकाकरण देर शाम तक जारी रहा। इसलिए अंतिम संख्या में वृद्धि होने की संभावना है। मंत्रालय के अनुसार टीकाकरण की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है और उच्चतम स्तर पर निगरानी की जाती है।

गैस चैंबर बनती जा रही दिल्ली! सांस लेने लायक नहीं है इन इलाकों की हवा, फिर से बढ़ेगा प्रदूषण

नई दिल्ली। दिल्ली के लोगों को प्रदूषण से अभी राहत मिलती नहीं दिख रही है। हवा की रफ्तार सुस्त होने से शनिवार को हवा में प्रदूषण का स्तर बढ़ सकता है। दिल्ली की हवा शुक्रवार को भी बेहद खराब श्रेणी में रिकॉर्ड की गई। दिल्लीवाले लगातार प्रदूषण भरी हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। सुबह के समय कोहरा, बादल छाने और शांत पड़ी हवा के चलते गुरुवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 429 के अंक पर था। इसे गंभीर श्रेणी में रखा जाता है। हालांकि, शाम के समय दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में हल्की बूंदाबांदी हुई, जिसके बाद प्रदूषक कण कुछ हद तक बैठ गए। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक शुक्रवार को 346 अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को बेहद खराब श्रेणी में रखा जाता है। लेकिन, एक दिन पहले की तुलना में इसमें 83 अंकों का सुधार हुआ है। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों का वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 अंक से ऊपर है। वहीं, जहांगीरपुरी निगरानी केंद्र का सूचकांक 409 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को गंभीर श्रेणी में रखा जाता है।

ढाई गुना अधिक प्रदूषण–एक दिन पहले की तुलना में भले ही प्रदूषण के स्तर में कमी आई हो, लेकिन दिल्ली की हवा में अब भी ढाई गुने से ज्यादा प्रदूषक कण मौजूद हैं। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, शाम के पांच बजे हवा में पीएम 10 का स्तर 254 माइक्रोग्राम और पीएम 2.5 का स्तर 162 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा। मानकों के मुताबिक, हवा में पीएम 10 का स्तर 100 से कम और पीएम 2.5 का स्तर 60 से कम होना चाहिए। इसके अनुसार दिल्ली की हवा में प्रदूषण का स्तर अभी मानकों से ढाई गुने ज्यादा है।

प्रदूषण मीटर

वायु गुणवत्ता सूचकांक

02 दिसंबर	429
03 दिसंबर	346

यहां की हवा सबसे खराब

जहांगीरपुरी	409
नरेला	392
मुंडका	392
वजीरपुर	390
विवेक विहार	389

चार घंटे प्रति घंटे के करीब रफ्तार रहेगी–मौसम विभाग का अनुमान है कि शनिवार को हवा की रफ्तार ज्यादातर समय शांत रहेगी। बीच-बीच में हवा चलेगी भी तो उसकी रफ्तार चार किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा नहीं होगी। जबकि, रविवार को भी हवा की रफ्तार दस किलोमीटर प्रति घंटे से नीचे ही रहने की संभावना है। बतादें कि हवा तेज चलने पर वातावरण में मौजूद प्रदूषक कण बह जाते हैं।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com